जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 16 नवम्बर, 2025

बच्चे तो बड़े हो जाएंगे पर घर नहीं

इसलिए आज बुक करवाइए

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट छोटी छोटी प्राइस में

कोठी: सिर्फ ₹4700/ Sq Ft | **फ्लैट: सिर्फ ₹4000/ Sq Ft**

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

FIXED PRICE GUARANTEED

पजेशन पर ₹10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं और इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे।मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है,बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा,स्वास्थ्य,शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई,जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है,और यही निर्मल मन व्यक्ति के समठा कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया,जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहनेसे मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं,और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार,मेरी कहानीआपकोयह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पानेहेतु शिक्षा, स्वास्थ्य,शांति,और पर्यावरण कोसाथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समठा समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं,बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध,स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है,तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना,शांति की दिशा में काम करना,और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं।मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नित की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिल जुलकर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में,जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में,व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है,प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है,और स्वच्छ जलवायु और मृदा प्रदान करता है। इस प्रकार,पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

> **शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया**

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्च कोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं,बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप मेंहमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण–आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है,स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं,पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है,और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्तनिष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे,जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समठा विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं।इससे न केवल हमारे देश की समठा उन्नित सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अठासर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके।अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

मतदाता सूचियों के संबंध में चुनाव आयोग से जनता कुछ ओर स्पष्टता की उम्मीद तो करती ही है

महावीर सिंह

बिहार में बहुचर्चित मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से जुड़े विवादों के बीच विधान सभा चुनाव संपन्न हुए।चुनाव आयोग पर राजनेताओं ने कई आरोप लगाए है और कुछ राजनीतिक दलों में ऐसे नेताओं को जम कर आड़े हाथों लेते हुए आयोग के बचाव का भी भरसक प्रयास किया है किंतु चुनाव आयोग ने विस्तार से, बहुत संतोषप्रद प्रतिक्रियाएं नहीं दी। कुछ ऐसा प्रतीत हुआ कि चुनाव आयोग विस्तृत तथ्य वो कानून आधारित प्रतिक्रिया के बजाए लूली लंगड़ी बचाव मुद्रा में दिखाई देता रहा। वैसे बिहार मतदान के समय भी कुछ जगह कैमरे पर लोगों में कहा है कि उनके पूरे मोहल्ले के या बहुत से मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों में नहीं मिले। अभी बिहार विधान सभा के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में सम्पन्न हुए चुनावों में दिल्ली निवासी कुछ ख्यातनाम व्यक्तियों के बारे में वीडियो वायरल हुए है कि उन्होंने कुछ समय पूर्व फरवरी में दिल्ली विधान सभा के चुनावों में भी मतदान किया था और अब बिहार में भी किया है? इससे तो चुनाव आयोग द्वारा अभी हाल ही में बिहार में जो मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण हुआ उस पर भी प्रश्न चिन्ह लगता है?

05 नवंबर 2025 को लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर हरियाणा की मतदाता सूचियों में कुछ ऐसी त्रुटियों की ओर ध्यान खींचा है जिन पर चुनाव आयोग को और चुनाव आयोग से जुड़े कुछ मुद्दों पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी ही चाहिए। चुनाव आयोग मात्र एक सरकारी निकाय न होकर एक संवैधानिक संस्था है। संविधान बनाने के समय देश में चुनावों का दायित्व किस प्रकार की संस्था को सौंपा जाए इस पर विस्तार से चर्चा हुई थी। इसके पश्चात एक उच्चस्तरीय स्वतंत्र संवैधानिक संस्था बनाई गई जिस पर देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करने की अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।चुनाव निष्पक्ष हों, पारदर्शी तरीके से हों और सबसे बड़ी बात कि जनता तथा चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दलों को विश्वास हो कि ऐसा ही हो रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए अत्यावश्यक है कि चुनावों के प्रति जन विश्वास कायम रहे।जहां जहां इस जन विश्वास में कमी आती है वहां सरकारों पर धांधली से चुनाव जीतने के आरोप लगते है और सरकारें अस्थिर होती रहती है।

सबसे पहले तो सरकार को बताना चाहिए कि जब सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह आशा की थी कि त्रिसदस्यीय चुनाव आयोग में सरकार भी हो, प्रतिपक्ष भी हो तथा एक तीसरा इन दोनों से भिन्न उच्च नैतिक मानदंडों वाला विख्यात व्यक्ति हो तो इसमें तीसरा व्यक्ति सरकार में अपनी सरकार के मंत्री को ही क्यों रख लिया? इस संरचना से तो यह संस्था पूर्णत: सरकारी नियंत्रण वाली संस्था ही कहलाएगी।

सरकार से जनता इस जानकारी की भी अपेक्षा करती है कि कौन सी ऐसी परिस्थितियों उत्पन्न हुई कि चुनाव आयुक्तों को ऐसा कवच देना पड़ा कि उनके विरुद्ध, उनके चुनाव आयुक्त की हैसियत से किए किसी भी कार्य के लिए कभी भी कोई अपराधिक कार्यवाही होगी ही नहीं। क्यों???

यह नियम बनाने की भी क्या आवश्यकता थी कि पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी पर आए मतदाताओं के फोटोज अन्य विवरण का चित्रण मतदान के 45 दिन बाद नष्ट कर दिया जाए??? फर्जी मतदाताओं की तो इससे पहचान हो ही जाती।खैर सही उतर तो चुनाव आयोग या सरकार ही दे सकते है?? यह भी माना की जिस सरकार के पास संसद में बहुमत है वह कोई भी कानून बना सकती है किंतु यह भी सत्य है कि हर कानून से जनहित की ही पूर्ति होती है सही नहीं है? चुनाव आयोग जेसी संस्था के लिए तो कानून ऐसा होना चाहिए जो पक्ष विपक्ष दोनों को स्वीकार हो और जनता को भी उनके गंभीर दुरुपयोग का कोई संदेह न हो।

अब 05 अक्टूबर को उपर उल्लेखित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करते हैं ::––

एक प्रश्न है जिस पर चुनाव आयोग को तत्काल स्पष्टता करनी चाहिए कि एक ही वोटर के बीस–तीस अलग अलग पोलिंग स्टेशनों पर नाम कैसे आए? क्या आयोग स्तर से, मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन से पहले इस प्रकार के नामों की त्वरित जांच व हटाने का कोई तरीका नहीं??? इस प्रकार के कई नाम बताए गए। आयोग के हवाले से यह बताया गया कि क्या प्रमाण है कि ऐसे व्यक्तियों ने एक से अधिक जगह पर वोट डाला है??ऐसे आरोप भारत के लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास मात्र है।

आयोग का ऐसा दृष्टिकोण, यदि ऐसा है तो, किसी के भी गले उतरने वाला नहीं हो सकता। मान लेते है कि कई जगह नाम वाले व्यक्ति ने दो बार मतदान नहीं किया किंतु क्या यह सिद्ध कर देता है कि मतदाता सूचिया 100 प्रतिशत सही,शुद्ध है?? बिल्कुल नहीं।

रही बात एक से अधिक पोलिंग स्टेशनों पर मतदान की तो अगर पोलिंग स्टेशनस पास पास 2,4,5,10 किलोमीटर के दायरे में हो तो मतदान भी कई जगह किया जा सकता है। नहीं क्या??? आयोग या तो यह कहे कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह पूर्णत: गलत जानकारी दी गई है या यह सिद्ध करे कि एक ही फोटो दिखने वाले भिन्न भिन्न पोलिंग स्टेशनों पर जो मतदाता दिखाए गए हैं वे सब अलग अलग है। लेकिन जनता की दृष्टि में अपनी साख कायम रखने के लिए,कई पोलिंग स्टेशन की सूचियों में फोटो एक कैसे, इस पहेली तो आयोग को सुलझानी ही चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि,उचित सॉफ्टवेयर से एक जैसे फोटो वाले नामों को ,एक जैसी ल्वदियत वाले नामों की,एक जैसे पते वाले नामों की पहचान अत्यंत ही आसान है तो फिर हुई क्यों नहीं? या फिर इन आरोपों व सुझावों को निराधार सिद्ध किया जाए। आरोप किसी आम आदमी ने नहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने लगाए है।

मैंने आईटी के एक सामान्य स्तर वाले जानकार से पूछा कि यह एक ही मतदाता की फोटो से कई पोलिंग स्टेशन पर मतदाता के रूप में नाम कैसे आ सकता है? उनका कहना था कि ँध्ध द्वार तैयार मतदाता नामों की सूची मय फोटो को निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में, ठेकेदार के डेटा एंट्री ऑपरेटरस अपलोड करते है। उनके कॉन्ट्रेक्ट की शर्तों में कुछ परसेंटेज तक त्रुटियां मान्य होती है अर्थात यदि इस सीमा तक त्रुटि होती है तो उनका भुगतान नहीं रुकता और त्रुटि शुद्धिकरण का काम भी उसी वेंडर को दिया जाता है जिसका अलग से भुगतान होता है। इस कारण कुछ त्रुटिया वेंडरस द्वारा एंट्री ऑपरेटर से जानबूझ कर करवाई जाती है।

जब उन्हें बताया गया कि गलतियों का शुद्धिकरण तो मतदाता के अंतिम प्रकाशन से पहले हो जाता है, उसके बाद त्रुटियां रहना तो काफी गम्भीर बात है तो उनका कहना था वे सामान्य प्रक्रिया बता रहे हैं।मतदाता सूचियों में इस प्रकार की त्रुटियां क्यों – कैसे रही, इस बारे में उन्हें कुछ नहीं पता।

जब उनसे पूछा की चलिए उपरोक्त बताई कारण से एक पोलिंग स्टेशन पर एक वोटर की फोटो व नाम कई बार आ गया किंतु दूर दूर के पोलिंग स्टेशंस की मतदाता सूचियों में एक ही नाम और फोटो कैसे आ सकते है ? यह तो तभी संभव है जब कोई एक ही व्यक्ति इस प्रकार के नाम डेटा एंट्री ऑपरेटर्स को उपलब्ध करवाए या कोई व्यक्ति किसी सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन से दूर बैठ कर इस प्रकार की एंट्रीज कर दे? अर्थात सेंट्रलाइज्ड तरीके से मतदाता सूचियों में छेड़छाड़ की जाए। ओर अगर ँध्ध स्तर से यह गलतियां हुई है या जानबूझ कर की हैं तो उनके विरुद्ध निर्वाचन अधिकारी ने कोई कार्यवाही भी की होगी।यह तो चुनाव आयोग बता ही सकता है, नहीं??

दूसरा बिंदु जो उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाया गया वह था एक ही पोलिंग स्टेशन पर 0 हाउस नम्बर में अनेक मतदाताओं के नाम। जिनका कोई घर नहीं क्यों कि या तो घुमंतू जातियों के है या वास्तव में बेघर हैं तो फिर उनको किसी मतदान केंद्र की मतदाता सूचियों में किस प्रकार की जांच के आधार पर अंकित किया गया है ??? ऐसे आदमियों की पहचान किसी दस्तावेज से तो हुई होगी,उस दस्तावेज में कोई न कोई रहने का स्थान भी दिया होगा या फिर ऐसे लोगों की पहचान की जरूरत ही नहीं थी? आधार पहचान पत्र, राशन कार्ड, पुराने मतदाता फोटो पहचान पत्र आदि में भी घर,पते का कोई न कोई अंकन होता ही है। घुमंतू जाती के लोग भी एक किसी एक स्थान पर अपना एक डेरा, टोला जरूर रखते है जहां वे आते जाते रहते है।तो 0 की जगह बंजारा या गवारिया या अन्य का डेरा ही अंकित कर देते। मतदान के समय कैसे पहचान होगी ऐसे आदमियों की,कोई वहां का है भी या नहीं???

दूसरा बिंदु जिस पर आयोग से स्थिति स्पष्ट करना तो बनता है, वह है कि एक छोटे मकान में 20,30,50,100 मतदाताओं के नाम कैसे? हो सकता है कोई बहुत बड़ा मकान हो उसमें स्थाई रूप से बहुत सारे लोग रहते हों जिनमें मकान मालिक व उसके परिवार के अतिरिक्त कई किराएदार हों। ऐसे मामलों में भी ँध्ध द्वारा मौके पर जांच की जाती है।आयोग चाहे तो स्थिति स्पष्ट कर सकता है।यदि किराएदार है तो फिर स्थाई किराएदार बाशिंदे है उनकी बात अलग हो सकती है किंतु यदि सीजनल कामगार, मजदूर आदि है तो फिर ऐसे लोगों का नाम क्यों आना चाहिए?? उनका नाम तो वे जहां के स्थाई निवासी है वहां होना चाहिए।

आयोग द्वारा यह मात्र यह कह देना कि यह सब बेबुनियाद के प्रश्न है, आयोग को बदनाम किया जा रहा है या फिर कोई यह कह दे कि नेता प्रतिपक्ष हल्के छिछोरे आरोप लगाने के आदि है या ऐसे वैसे बोलने पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट से हिदायत भी दी गई है, आदि वक्तव्यों से जनता के मन के संदेह दूर नहीं होंगे।

बात तो यह है कि आयोग प्रत्येक आरोप का विस्तार से खंडन क्यों नहीं करता या स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करता?? कुछ राजनीतिक दल अनावश्यक रूप से आयोग के बचाव में क्यों कूद पड़ते है?

नेता प्रति पक्ष ने जो कुछ कहा उस से यह बिल्कुल सिद्ध नहीं होता कि वोटों की चोरी हुई है किंतु इस प्रकार के लोगों ने जिनके नाम कई कई पोलिंग स्टेशन पर है उन्होंने कई बार वोट नहीं डाला या फिर उस नाम से किसी ओर ने वोट डाल दिया, यह जांच तो केवल और केवल चुनाव आयोग ही कर सकता है।किस पोलिंग स्टेशन पर किस ने मतदान किया यह रिकॉर्ड तो चुनाव आयोग के पास ही है??? कोई अन्य कैसे जांच कर सकता है???

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

सप्त शक्ति कमान का थार मरुस्थल में युद्ध तत्परता का सशक्त प्रदर्शन सम्पन्न

युद्ध अभ्यास का उद्देश्य अपनी युद्ध तत्परता और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन करना था

बीकानेर, (निसं)। सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन ने थार मरुस्थल स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक व्यापक युद्ध अभ्यास को संपन्न किया, जिसका उद्देश्य अपनी युद्ध तत्परता और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन करना था।

सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने युद्ध अभ्यास की कार्यवाही की समीक्षा की, जिसका उद्देश्य सामरिक प्रक्रियाओं को निखारना, इण्टर आर्म्स समन्वय को बढ़ाना और चुनौतीपूर्ण वातावरण और भू–भाग की स्थितियों के तहत सभी संस्थाओं और टुकड़ियों के एकीकरण का परीक्षण करना था। अभ्यास में सैनिकों की सहनशक्ति, अनुशासन और उच्च–तीव्रता वाले वास्तविक युद्ध क्षेत्र के माहौल में प्रदर्शन की क्षमता का परीक्षण किया गया और यह अभ्यास ये सुनिश्चित करने पर केंद्रित था कि इंफैंट्री, मैकेनाइज्ड फोर्सेज, एयर डिफेन्स, आर्टिलरी फायर सपोर्ट, इंजीनियर्स और लॉजिस्टिक्स सहित संयुक्त सैन्य अभियानों को सटीकता और चुस्ती के साथ संचालित किया जा सके। साथ ही कमान और नियंत्रण प्रक्रियाओं, इंटेलिजेंस समन्वय तथा युद्धक तैयारी बढ़ाने के लिए (ड्रोन्स) के प्रभावी उपयोग का भी अभ्यास किया गया। इस अभ्यास में भाग लेने वाले सैनिकों ने संचालन योजनाओं, लॉजिस्टिक क्षमता और संचार नेटवर्क को सफलतापूर्वक परखा, जिससे डिवीजन की उच्च स्तरीय तैयारी और बदलते खतरों का सामना करने की क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन हुआ।

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने थार मरुस्थल में युद्ध तत्परता के सशक्त प्रदर्शन का अवलोकन किया।

एक गतिशील और विवादित युद्ध परिदृश्य का अनुकरण करते हुए, युद्ध अभ्यास में डिसिशन मेकिंग, अनुकूलन क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं के संदर्भ में हर स्तर की कमान का परीक्षण किया। फार्मेशन ने जटिल संचालन चुनौतियों का सामना करने के लिए तेज, समन्वित और सुव्यवस्थित गतियों को निष्पादित करने में उत्कृष्ट पेशेवरिता और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। आर्मी कमांडर ने भाग लेने वाले सैनिकों को उनके पेशेवर व्यवहार, इनोवेशन और मिशन केंद्रित दृष्टिकोण के लिए सराहा। उन्होंने कहा कि सैनिकों का प्रदर्शन भारतीय सेना की प्रतिबद्धता, साहस और उत्कृष्टता की भावना को दर्शाता है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों। साथ ही उन्होंने भैरव बटालियन के साथ भी संवाद किया और उनके उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और ऑपरेशनल रेडीनेस की सराहना की।

> ■ **सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने युद्ध अभ्यास की कार्यवाही की समीक्षा की**

राशिफल रविवार 16 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रात्रि 2:11 तक, प्रीति योग सोमवार प्रात: 7:23 तक, कौलव करण दिन 3:43 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:11 तक है। द्विपुष्कर योग और राजयोग रात्रि 2:11 से रात्रि 4:48 तक है। आज मार्गशीर्ष संक्रांति, सूर्य वृश्चिक में प्रवेश दिन 1:87 पर करेगा। पुण्यकाल प्रात: 7:13 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:11 से 9:31 तक, लाभ–अमृत 9:31 से 12:11 तक, शुभ 1:32 से 4:52 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:51, सूर्यास्त 5:32 तक

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
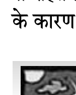
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
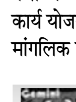
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क
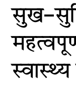
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
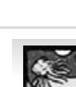
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कन्या
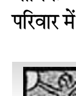
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
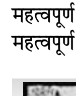
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
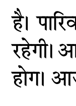
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु
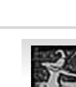
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
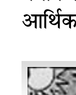
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
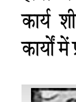
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
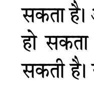
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 113 प्रभात बीकानेर, रविवार, 16 नवम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

अंदर ही अंदर विस्फोटक स्थिति पहुँच गई है कांग्रेस में

बेचैनी का कारण राहुल गांधी व उनके काम करने का स्टाइल है, जिसमें वो अभी भी कोई जिम्मेवारी ओढ़ने को तैयार नहीं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवंबर। बिहार में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद पार्टी के भीतर बेचैनी और असंतोष तेजी से बढ़ रहा है। इस नाराज़गी का केन्द्र राहुल गांधी हैं, जो पार्टी के सारे अहम फैसलों पर नियंत्रण रखते हैं और ऐसे निर्णय ले रहे हैं, जो "तर्कहीन" व समझ से परे लगते हैं।

- जिस तरह से राहुल गांधी कोई रूचि नहीं दिखा रहे पार्टी के कामकाज के बारे में, उनकी छवि एक पार्ट टाइम राजनीतिज्ञ की बन गई है।
- बिहार में उन्होंने एक नौसिखिया व्यक्ति अल्लुवेरा को प्रभारी बना के भेजा, जिसने कभी भी पार्टी में कोई महत्वपूर्ण पद नहीं पाया था।
- अल्लुवेरा और तेजस्वी के संबंध इतने खराब हो गए कि तेजस्वी ने उनसे मिलने को मना कर दिया, सीटों के बंटवारे पर बातचीत तो बहुत दूर की बात है।
- राहुल गांधी ने बिहार में वोट चोरी को अति महतव देते हुए यात्रा निकाली, जिसमें तेजस्वी उनके साथ रहे, माहौल कुछ ठीक होने लगा था कि राहुल गांधी बीस दिन के लिए साउथ अफ्रीका चले गए, कोलंबियन कॉफी को ब्रू करने की बारीकियाँ समझने के लिए और बिहार की राजनीतिक उथल-पुथल को एकदम अनदेखा कर दिया।

राहुल गांधी को अब भी एक "पार्ट-टाइम नेता" के रूप में देखा जाता है, जो न तो पार्टी के छोटे-बड़े मुद्दों में रुचि लेते हैं, न ही रोजमर्रा के संगठनात्मक कामकाज में। वे अहम फैसलों में भाग नहीं लेते और उन्होंने पार्टी को ऐसी टीम के हवाले कर दिया है जिसमें के.सी. वेणुगोपाल जैसे लोग शामिल हैं, जो पार्टी को ऐसे चलाते हैं, मानो उन्हें कांग्रेस का "मालिकाना हक" सौंप दिया गया हो।

बिहार को एक उदाहरण के रूप में लेते हुए, जहाँ पार्टी को भाजपा के हाथों भारी हार का सामना करना पड़ा, वहाँ राहुल ने अल्लुवेरा को बिहार जैसे महत्वपूर्ण चुनावी राज्य का प्रभारी बना दिया, जिन्होंने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा, न किसी छोटे राज्य तक का प्रबंधन संभाला, न उन्हें कोई राजनैतिक अनुभव था। पार्टी में भी उन्होंने कोई खास पद नहीं सँभाला था। राहुल ने उन्हें अपने आदमी के रूप में वहाँ भेजा था, जो निहित स्वार्थों वाले, और लालू यादव के करीबी लोगों को उखाड़ फेंकेगा और अपनी पकड़ बनाएगा।

कांग्रेस बिहार में दिशाहीन थी, उसका कोई जनाधार नहीं बचा था और राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बैसाखियों का सहारा ले रही थी।

अल्लुवेरा और तेजस्वी यादव के बीच रिश्ते इतने खराब थे कि तेजस्वी उनसे मिलने तक को तैयार नहीं हुए, गठबंधन पर बातचीत तो दूर की बात थी।

राहुल गांधी ने तेजस्वी के साथ बिहार में एक यात्रा निकाली, लेकिन उसके तुरंत बाद वे 20 से अधिक दिनों के लिए दक्षिण अमेरिका चले गए। यात्रा से जो भी थोड़ी-बहुत गति बनी थी, वह वहीं ख़त्म हो गई, जब राहुल बिहार की स्थिति से पूरी तरह बेखबर "नई कोलंबियन कॉफी" के बारे में सीख रहे थे। बिहार में जो कुछ हो रहा था, उसे उन्होंने पूरी तरह नज़र अंदाज़ कर दिया था।

उन्होंने लालू यादव से मिलने से इनकार कर दिया, सीट बंटवारे में भाग नहीं लिया, टिकटों को लेकर कोई रुचि नहीं दिखाई। उनका चुनाव प्रचार भी बहुत ही सीमित और औपचारिक था।

चुनाव खत्म होने से पहले ही, वे फिर विदेश चले गए और मतगणना के दिन भी मौजूद नहीं थे। वे आज सुबह दिल्ली लौटे, वेणुगोपाल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विवाहित वयस्क संतान का पिता की निजी संपत्ति में हक नहीं'

जयपुर, 15 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने संपत्ति विवाद से जुड़े एक मामले में कहा है कि विवाहित या वयस्क संतान का उसके पिता की स्वअर्जित संपत्ति में कोई हक नहीं है। पिता की निजी संपत्ति में बेटा उनकी मंजूरी से ही रह सकता है और पिता के कहने पर उसे संपत्ति को खाली करना होगा। अदालत ने कहा कि बेटे को संपत्ति पर कब्जा पिता ने स्नेहवश दिया था, यह किसी कानूनी अधिकार के तौर पर नहीं दिया गया। वहीं अदालत ने निचली कोर्ट व अपीलीय कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए, पिता के खिलाफ मुकदमा कर उन्हें परेशान करने वाले बेटे पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने अपील को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश रितेश खत्री की अपील पर दिए।

- हाई कोर्ट ने पिता के खिलाफ मुकदमा करके परेशान करने वाले बेटे पर एक लाख रूपए हर्जाना लगाया।

अदालत ने कहा कि अपीलार्थी पर लगाई गई हर्जाना राशि एक पिता के इस मुकदमे को लड़ने में झेली गई पीड़ा व उत्पीड़न की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं है। लेकिन यह भविष्य के लिए एक उदाहरण साबित होगा, ताकि इस तरह के मुकदमों को दुर्भावनापूर्ण तरीके से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किसी भी सिंगल पार्टी से राजद का वोट शेयर ज्यादा था बिहार में

फिर भी राजद को इतनी करारी हार क्यों मिली

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को हाल ही में खत्म हुए चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन उनके राजनैतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले तेजस्वी यादव के लिए एक छोटी सी सकारात्मक बात भी है: 243 सदस्यीय विधानसभा में सिर्फ 25 सीटों पर जीत के बावजूद, इस चुनाव में सबसे अधिक वोट शेयर प्राप्त करने वाली पार्टी राजद ही रही है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राजद का वोट शेयर 23 प्रतिशत रहा (2020 के 23.11 प्रतिशत से थोड़ा कम), भाजपा का वोट शेयर 20.08 प्रतिशत रहा (2020 के 19.46 प्रतिशत से ज्यादा), जबकि जदयू को 19.25 प्रतिशत वोट मिले (2020 के 15.39 प्रतिशत से अधिक)।

- उनके समर्थकों का मत है कि राजद को महागठबंधन के अन्य घटकों का कोई योगदान नहीं मिला, जबकि एनडीए में जदयू व भाजपा ने एक दूसरे की बहुत मदद की।
- राजद का वोट शेयर 23 प्रतिशत था और महागठबंधन का कुल वोट शेयर 35.89 प्रतिशत।
- दूसरी ओर जदयू का वोट शेयर 19.2 प्रतिशत था व भाजपा का 20.08 प्रतिशत, पर, एनडीए का कुल वोट शेयर 47 प्रतिशत बना।
- राजद ने हर सीट पर कड़ा संघर्ष तो किया, पर, उनकी टांगों में इतना दम नहीं था कि वे फिनिशिंग लाईन को अपने दम पर पार कर लेते।
- पर, दूसरा मत यह भी है कि राजद 143 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि, भाजपा और जदयू दोनों 101-101 सीटों पर लड़े।
- अतः यह भी निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि राजद ने अपनी ताकत का बहुत ज्यादा मूल्यांकन कर लिया, इससे यह हुआ कि राजद का वोट शेयर तो बढ़ा, पर, सीटें नहीं बढ़ीं।

इसके बावजूद, एनडीए की आँधी में राजद उड़ गया। वजह साफ है: एक गठबंधन के रुप में, एनडीए का कुल वोट शेयर 47 प्रतिशत रहा, जबकि महागठबंधन और उसके साथियों को मिलकर 35.89 प्रतिशत वोट मिले। साधारण शब्दों में कहें, तो राजद अपने सहयोगियों से निराश हुआ। लेकिन इसे दूसरे तरीके से भी देखा जा सकता है: प्रमुख पार्टियों में राजद ने सबसे ज्यादा सीटों-143-पर चुनाव लड़ा, जबकि भाजपा और जदयू ने 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा, यानी राजद से 42 सीटें कम।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री आर.के. सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधि के आरोप में निलंबित किया

आर.के. सिंह एक पूर्व आईएएस हैं तथा दो बार आरा से सांसद निर्वाचित रह चुके हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। विधानसभा चुनाव परिणाम आने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी ने आज पूर्व केन्द्रीय मंत्री राज कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। पार्टी ने कहा कि यह कदम उनकी बार-बार की "विरोधी पार्टी" गतिविधियों के कारण उठाया गया है।

- पिछले कई महीनों से आर.के. सिंह पार्टी के राज्य स्तरीय नेतृत्व की जमकर आलोचना कर रहे थे, विशेषकर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।
- आर.के. सिंह भाजपा सरकार के पावर खरीद के सौदों में 62 हजार करोड़ रूपए के भारी स्कैम का आरोप लगाते रहे हैं और इस बारे में कई दस्तावेज ऑनलाइन पेश करने का दावा भी किया है व केन्द्रीय सरकार में पावर व रिन्यूएबल एनर्जी विभाग के मंत्री रह चुके हैं तथा 2024 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा की बिहार इकाई के खिलाफ जमकर आरोप लगाते रहे हैं।

इसी तरह की कार्रवाई पार्टी के बागी नेताओं, एमएलसी अशोक अग्रवाल और कटिहार की मेयर उषा अग्रवाल के खिलाफ भी की गई है। इन दोनों ने अपने बेटे सौरव कुमार अग्रवाल के लिए प्रचार किया था, जो विकासशील इंसान पार्टी के टिकट पर कटिहार विधानसभा सीट से भाजपा के मौजूदा विधायक और पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद के खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे।

राज्य भाजपा मुख्यालय से जारी निलंबन पत्र में कहा गया कि सिंह के हालिया बयानों से संगठन को नुकसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने बैंक को 58.63 लाख रूपए लौटाने के आदेश दिए

जयपुर, 15 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, साइबर ठगी होने के तीन दिन के भीतर शिकायत करने पर बैंक संबंधित राशि उपभोक्ता को देने के लिए बाध्य है। इसके साथ ही, अदालत ने आईडीबीआई बैंक की अपील को खारिज कर एकलपीठ के उस आदेश को सही माना है, जिसमें एकलपीठ ने बैंक को ठगी की गई पूरी 58.93 लाख रुपए की राशि छह फीसदी ब्याज सहित उपभोक्ता को लौटाने को कहा था।

- हाई कोर्ट की खंडपीठ ने, आईडीबीआई को उपभोक्ता की सायबर ठगी में गई पूरी राशि ब्याज सहित लौटाने को कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू की पुत्री रोहिणी आचार्य ने लालू परिवार से नाता तोड़ा और राजनीति छोड़ने का भी निर्णय लिया

रोहिणी आचार्य ने लालू यादव को अपनी एक किडनी दी थी ट्राँसप्लांट के लिए, पर, आज वो इतनी खिन्न क्यों हैं कि परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा कर चुकी हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली भारी हार के एक दिन बाद, पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने बड़ा धमाका करते हुए कहा है कि वे राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से भी दूरी बना रही हैं।

"एक्स" पर एक रहस्यमयी पोस्ट में, आचार्य ने संकेत दिया कि राजद के वरिष्ठ नेता संजय यादव, जो तेजस्वी के करीब हैं, ने उनसे ऐसा करने को कहा।

- रोहिणी आचार्य यह स्पष्ट नहीं कर पाईं कि ऐसा अहम निर्णय क्यों लिया, हालांकि बार-बार वो कहती रहीं कि वो अपनी गलती स्वीकार करती हैं। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं हुआ कि उनकी क्या गलती है।
- रोहिणी आचार्य अपने भाई तेज प्रताप यादव के पार्टी से निष्कासन से खुश नहीं थीं, पर, वे कई बार तेजस्वी से भी मधुर संबंध रखने की इच्छा व्यक्त करती रहीं और तेजस्वी के जन्मदिन पर तेजस्वी को "दिल का साफ व जुबान का पक्का" होने की बधाई दी तथा आशा व्यक्त की कि उनके कर्तव्यनिष्ठ भाई की सारी इच्छाएँ पूरी हों और सब स्वप्न फलीभूत हों।

2022 में लालू यादव को अपनी किडनी दान करने वाली रोहिणी आचार्य ने यह भी संकेत दिया कि वे किसी गलती की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले रही हैं, हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि वे बिहार चुनाव में हार की बात कर रही थीं या किसी और मुद्दे की।

उन्होंने लिखाः "मैं राजनीति छोड़ रही हूँ और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूँ... संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे यही कहा था और मैं सारी गलती अपने ऊपर ले रही हूँ।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते बुहाना थाने की हैड कांस्टेबल गिरफ्तार

परिवादी ने एसीबी के 1064 टोल फ्री नंबर पर रिश्वत मांगने की शिकायत की थी

■ पारिवारिक झगड़े में दर्ज मारपीट के मामले में मदद करने तथा परिवादी, उसके भाई और परिवादी के भाई को गिरफ्तार ना करने की एवज में 30 हजार रूपए मांगे थे

बुहाना, (निसं)। झुंझुनूं एसीबी की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बुहाना थाना में तैनात एक महिला हैड कांस्टेबल को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी टीम ने यह कार्रवाई गोपनीय सत्यापन के बाद ट्रेप की रूपरेखा तैयार कर अंजाम दी।

एसीबी झुंझुनूं के डीएसपी शब्बीर खान ने बताया कि परिवादी ने एसीबी के 1064 टोल फ्री नंबर पर 04 नवंबर को बुहाना थाने में तैनात हैड कांस्टेबल संतोष कुमारी के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। इसके बाद परिवादी ने एसीबी झुंझुनूं में भी लिखित शिकायत दी, जिसके बाद एसीबी ने 10 नवंबर को सत्यापन करवाया। सत्यापन के दौरान हैड कांस्टेबल द्वारा परिवादी के खिलाफ 22 अक्टूबर को पारिवारिक झगड़े में दर्ज मारपीट के मामले में मदद करने के तथा परिवादी, उसके भाई और परिवादी के भाई को गिरफ्तार ना करने की एवज में 30 हजार रूपए मांगे जाना सामने आ गया। सत्यापन के दौरान ही हैड कांस्टेबल ने परिवादी से तीन हजार रूपए ले लिए। इसके बाद एसीबी लगातार ट्रेप का प्लान तैयार कर रही थी। इसी दौरान 14 नवंबर को परिवादी को हैड कांस्टेबल ने बयानों के लिए बुलाया। इस दौरान भी हैड कांस्टेबल ने डर दिखाकर सात हजार रूपए ले लिए। पूर्व में तय सौदे के अनुसार शेष 20 हजार रूपए देने के लिए आज परिवादी को थाने बुलाया। परिवादी ने ज्यों ही 20 हजार रूपए दिए, हैड कांस्टेबल ने 20 हजार रुपए रिश्वत के रूप में लेकर अपनी जेब में रख लिए, जिसके बाद एसीबी टीम ने मौके पर ही उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी की जेब से 20 हजार रुपए की राशि बरामद कर ली गई है।

आरोपी हैड कांस्टेबल संतोष कुमारी।

यह कार्रवाई एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता के निर्देशन, एसीबी जयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरविजन तथा एसीबी झुंझुनूं इकाई के उप अधीक्षक पुलिस शब्बीर खान के नेतृत्व में पूरी की गई। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसीबी) स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एसीबी की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

रोडवेज बस ने दंपती को टक्कर मारी, महिला की मौत

घायल पति को जोधपुर के अस्पताल में भर्ती कराया

■ जोधपुर- बाड़मेर हाइवे के पास धवा सिणली फांटा के पास सड़क किनारे खड़े थे दम्पती

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर-बाड़मेर हाइवे धवा सिणली फांटा के पास में शनिवार दोपहर में रोडवेज बस ने सड़क के किनारे खड़े दंपती को अपनी चपेट में लेकर कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका पति बुरी तरह घायल हो गया, जिसे जोधपुर अस्पताल भेजा गया है। इधर इस घटना को लेकर दोपहर में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और डिवाइडर अथवा जम्बर लगाने की मांग रखी। ग्रामीणों ने सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया और नेशनल ऑथोरिटी के अधिकारियों को भी बुलाने की मांग रखी। देर शाम तक मौके पर पुलिस अधिकारी और ग्रामीणों में बातचीत चल रही थी।

जानकारी के मुताबिक झंवर के गेहलावास निवासी गुमानाराम और उसकी पत्नी यहां जोधपुर- बाड़मेर हाइवे के पास धवा सिणली फांटा के पास सड़क किनारे खड़े थे। तब बाड़मेर की तरफ से आ रही एक रोडवेज बस ने उन्हें चपेट में ले लिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई और गुमानाराम बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया। इधर घटना के बाद जोधपुर-बाड़मेर हाइवे पर लोगों ने रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

18 दिन के मासूम की मौत, नरबलि की आशंका

मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए

■ बच्चा अपनी मौसी के घर में था, मौसियों पर हत्या की आशंका जाहिर कर पिता ने थाने में रिपोर्ट दी

■ पुलिस ने पूछताछ के लिए बच्चे के मौसी पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लिया है, जांच जारी

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाड़ा स्थित नेहरू कॉलोनी में शनिवार सुबह 18 दिन के मासूम की संदिग्ध हालात में मौत को लेकर सनसनी फैल गई। बच्चे की मौत पर नरबलि की आशंका भी जताई जा रही है। बच्चा अपने मौसी के घर में था। पिता ने बच्चे की मौसियों पर हत्या की आशंका जाहिर करते हुए एयरपोर्ट थाने में रिपोर्ट दी है। दोपहर में मेडिकल बोर्ड गठित कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। बच्चे की संदिग्ध मौत की खबर पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं, मगर पुलिस ने मौका ए हालात का ब्यौरा देने से इंकार कर दिया। पूछताछ के लिए बच्चे के मौसी पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

एयरपोर्ट थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा ने बताया कि नेहरू कॉलोनी निवासी पूनाराम सांसी के पहले से एक बेटा है। हाल में 18 दिन पहले उसके एक और बेटा हुआ था। दूसरा बेटा अपनी मौसी के पास मां के साथ था। आज सुबह उसे सूचना मिली कि बच्चे की मौत हो गई। उसे अस्पताल लाया गया है। अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली थी। इस पर रात्रिकालीन अधिकारी अस्पताल पहुंचे और फिर संबंधित थाने में सूचना दी। थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा ने बताया कि बच्चे की संदिग्ध मौत को लेकर पूनाराम की तरफ से अपनी सालियों के खिलाफ हत्या में रिपोर्ट दी गई है। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया और साक्ष्य जुटाए गए है। डीसीपी पूर्व शाहिन सी., एसीपी पूर्व प्रतीक सिंह और खुद थानाधिकारी ताड़ा भी वहां पहुंचे।

मासूम की मौत को लेकर आशंका है कि उसकी हत्या गला दबाकर की गई है। आसपास पड़ौस से पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि परिवार के लोग आपस में झगड़ते रहते थे। नरबलि की आशंका में हत्या तो नहीं की गई, ताकि घर में कलह ना हो। फिलहाल पुलिस हर पहलु पर जांच में जुटी है। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चल पाएगी।

सामाजिक कार्यक्रम से लौट रहे दोस्तों की कार पलटी, तीन की मौत

आधा दर्जन से ज्यादा युवक घायल, दो गंभीर घायलों को जोधपुर भेजा

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती बिलाड़ा के खारिया मीठापुर गांव के पास में रात दो बजे एसयूवी पलटी खा गई। हादसे में चालक सहित तीन की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से ज्यादा युवक घायल हो गए। दो बुरी तरह घायलों को जोधपुर भेजा गया है। सूचना पर देर रात पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को बिलाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

बिलाड़ा थाने के एएसआई भगवान सहाय ने बताया कि बिलाड़ा के सरगरों का बास के रहने वाले आठ-दस युवक रात दो बजे किसी सामाजिक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर जैतारण से अर्टिगा कार से लौट रहे थे।

रात दो बजे के आस पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे में आकाश पुत्र भैराराम सरगरा, रवि पुत्र हेमराज और अभिषेक पुत्र नरपत चौहान की मौत हो गई। कार को चालक रवि चला रहा था, जोकि इस हादसे में मारा गया। कार में सवार आधा दर्जन अन्य युवक घायल हो गए। इनमें दो घायलों सूरज पुत्र ललित और पिंटू पुत्र पूनाराम को देर रात में ही जोधपुर रैफर कर दिया गया। एएसआई भगवान सहाय के अनुसार हादसे का कारण पता लगाया जा रहा है। शवों को कार्रवाई के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। यह संभवत: किसी शादी समारोह से लौट रहे थे।

पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल के आवास में चोरी

■ डेढ़ लाख नगद व दस लाख से ज्यादा के जेवर चुराये

टोंक, (निसं)। पुरानी टोंक थाना क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल के आवास से अज्ञात बदमाशों ने ताला तोड़कर डेढ़ लाख रुपए नगद व दस लाख से ज्यादा के जेवर चुरा कर ले गए। चोरी के वारदात के समय कॉन्स्टेबल प्रहलाद बैरवा रात्रि ड्यूटी पर था, वहीं उसके परिजन पैतृक गांव मालपुरा गए हुए थे।

जानकारी मिलने के बाद पुरानी टोंक थानाधिकारी नेमीचंद गोयल मौके पर पहुंचे और पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। बताया जा रहा है कि कॉन्स्टेबल प्रहलाद पुरानी टोंक थाने में ही तैनात हैं, पुलिस लाइन में 400 पुलिस कर्मचारियों के परिवार रहते हैं। यहां पुलिस कर्मचारी के अलावा अन्य की एंट्री पूरी तरह से बंद है, मुख्य गेट पर एक पुलिसकर्मी बिना परमिशन के किसी को प्रवेश नहीं देता। कॉन्स्टेबल प्रहलाद ने बताया कि वह शुक्रवार रात को रात्रि ड्यूटी के दौरान गश्त पर था, जिसका आवास तीसरी मंजिल पर है तथा इस दौरान उसके परिवारजन गांव गए थे, जिसका फायदा उठाकर चोर क्वार्टर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और कमरे के अंदर रखी अलमारी से करीब डेढ़ लाख रुपए नकद समेत 10 लाख के आभूषण पार कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण में अनुसंधान प्रारम्भ किया।

3.12 लाख के चेक बाउंस मामले में आरोपी को कोर्ट ने दोषमुक्त किया

नोहर, (निसं.)। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, नोहर ने आज परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत दायर एक मामले में आरोपी गोविंदराम को दोषमुक्त कर दिया है। यह मामला 3,12,000 के चेक के अनादरण (चेक बाउंस) से संबंधित था।

न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलों और पेश किए गए साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद यह महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया। न्यायालय में पेश तथ्यों के अनुसार, परिवादी ओमप्रकाश ने आरोपी गोविंदराम के विरुद्ध यह केस दायर किया था। यह आरोप लगाया गया था कि परिवादी और अभियुक्त के मध्य हुए एक पुराने पहचान के चलते अभियुक्त ने घरेलू जरूरत के लिए परिवादी से 25 अक्टूबर 2023 को एक माह के लिए 3,12,000 रुपये नकद उधार लिए थे। बाद में परिवादी द्वारा अदायगी की तक़ाज़ा करने पर अभियुक्त द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, शाखा परलीका के अपने बैंक खाते पर जारी किया गया उक्त राशि 3,12,000 रुपये का चेक भुगतान हेतु परिवादी को सौंपा गया था। परिवादी द्वारा जब चेक अपने बैंक में जमा किया गया, तो वह खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण 9 जनवरी 2024 को अनादरित होकर वापस हो गया था। आरोपी गोविंदराम की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता राजपाल जाड़ीवाल और अधिवक्ता अमित स्वामी ने न्यायालय के समक्ष यह निर्णायक तर्क मजबूती से रखा कि बैंक द्वारा जारी किए गए रिटर्न्स मेमो पर बैंक की मोहर और अधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर मौजूद नहीं थे। न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार करते हुए पाया कि यह कमी दस्तावेज़ की वैधानिकता और प्रामाणिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। तकनीकी खामियों के कारण, अभियोजन पक्ष संदेह से परे आरोपी पर आरोप सिद्ध करने में विफल रहा, जिसके परिणामस्वरूप गोविंदराम को दोषमुक्त कर दिया गया।

अजमेर : दो थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की वारदात

■ घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, सर्विस सेंटर की दुकान को भी निशाना बनाया

■ पुलिस ने मौका मुआयना कर चोरों की तलाश शुरू की

अजमेर, (निसं)। शहर में बढ़ती चोरी की वारदात पुलिस की रात्रि गश्त पर सवालिया निशान लगा रही है। बीती रात दोनों ने दो थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदात अंजाम दी। रामगंज थाना क्षेत्र के गौतम नगर में घर के बाहर खड़ी सफाई कर्मी की बाइक अज्ञात चोर चुरा ले गया। बाइक चोरी की यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

गौतम नगर निवासी प्रदीप कुमार ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात चोर चुरा ले गया है। वहीं गंज थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने एक सर्विस सेंटर की दुकान को निशाना बनाते हुए 40 हजार नगदी सहित ऑटो पार्ट्स सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर छत के रास्ते से दुकान में घुसे थे। चोरी का पता शनिवार सुबह तब चला जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचा था। दुकान के ताले टूटे पड़े थे। पीड़ित अशोक बंजारा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी वरुण सागर रोड पर अशोक सर्विस सेंटर के नाम से दुकान है, शनिवार को जब वह सुबह दुकान खोलने पहुंचा तो शटर के ताले टूटे हुए थे, जब दुकान के अंदर घुसा तो सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर रात में छत के रास्ते से दुकान में घुसे और सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया। पीड़ित ने बताया कि चोरों ने छत के रास्ते से दुकान में घुसकर सामान अस्त-व्यस्त करते हुए 40 हजार नकदी सहित ऑटो पार्ट्स सामान चोरी कर ले गए। पीड़ित ने बताया कि चोरों द्वारा दुकान से ऑटो पार्ट्स और तेल के बॉक्स सहित अन्य सामान चुरा ले गए। मामले की जानकारी गंज थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

घर के मंदिर में जलते दीपक से आग लगी, लाखों का नुकसान

■ अलमारी में रखे सोना-चांदी के जेवर पिघले, सामान भी जला

अजमेर, (निसं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र के कोटड़ा स्थित खाटू श्याम विहार कॉलोनी में शनिवार सुबह मंदिर में जल रहे दिए से घर में आग लग गई। थोड़ी ही देर में आग ने पूरे कमरे में विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कमरे में रखी अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात गल गए। साथ ही अन्य घरेलू सामान भी जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही मौके पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भागचंद ने बताया कि शनिवार सुबह कंट्रोल रूम पर सूचना मिली थी कि कोटड़ा स्थित खाटू श्याम विहार कॉलोनी में रहने वाले कैलाश रावत के घर में आग लगी है। सूचना मिलते ही विभाग से करीब एक गाड़ी मौके पर भेजी गई। मौके पर घर के कमरे में आग लगी हुई थी, जिस फायर फाइटर ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। अग्निशमन कर्मचारी ने बताया कि आग की तपिश इतनी तेज थी कि पीड़ित मकान मालिक कैलाश रावत के कमरे में रखी अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात भी पिघल गए। मकान मालिक रावत ने बताया कि आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। आग मंदिर में जल रहे दिए के कारण आग लगी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बाजार गई नाबालिग से बलात्कार

अलवर, (निसं)। अलवर के राजगढ़ में नाबालिग के साथ बलात्कार करने का मामला दर्ज हुआ है। घटना क्षेत्र से संबंधित थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता के पिता ने मामला दर्ज कराया है। पुलिस थाने में दर्ज मामले के अनुसार उसकी 17 वर्षीय पुत्री 14 नवम्बर को घर से बाजार के लिए गई थी। वहां उसको एक युवक मिला। वह युवक उसकी पुत्री का जबरदस्ती हाथ पकड़कर एक कैफे के अंदर ले गया, जहां इस युवक ने उसकी पुत्री के साथ बलात्कार किया।

युवक ने लड़की को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इस बारे में जब लड़की ने अपने घर पर इस घटना का जिक्र किया तो सब सकते में आ गए। पिता ने तुरंत पुलिस थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिता ने बेटे पर तलवार से हमला किया

घायल को अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरु किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पिता ने ही अपने बेटे पर तलवार से हमला कर दिया।

जानकारी के अनुसार, जगदीश कालबेलिया पुत्र नाथू राम, निवासी 25 दौलतगढ़ (वर्तमान निवासी बानियों का बंदा गांव) पर उसके पिता ने किसी अज्ञात कारण से तलवार से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान पिता ने अचानक गुस्से में आकर बेटे के चेहरे पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद परिवारजन और आसपास के लोगों ने घायल जगदीश को तत्काल आसींद चिकित्सालय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे भीलवाड़ा एमजी अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज किया और जांच प्रारंभ कर दी है। अभी तक हमले के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है और प्रशासन से न्यायिक कार्रवाई की मांग की है।

स्वहित के साथ समाज और राष्ट्रहित का ध्यान रखें संगठन : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

■ राज्यपाल ने भारतीय परिवहन मजदूर संघ के 26वें त्रैवार्षिक अखिल भारतीय अधिवेशन का उद्घाटन किया

■ देश के सर्वांगीण विकास का सपना साकार करना है, तो स्वदेशी के प्रोत्साहन का कोई विकल्प नहीं है : राज्यपाल

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पिछले लगभग बारह वर्ष में हमने प्रत्येक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। आर्थिक परिप्रेक्ष्य में भी बड़ा बदलाव आया है। वर्ष 2014 तक हम दुनिया की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था थे। अब बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरते हुए हम चौथे स्थान पर पहुंच चुके हैं। इसमें हमारे श्रमिकों और मजदूरों का बड़ा योगदान है। राज्यपाल बागड़े शनिवार को बीकानेर के गंगाशहर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में भारतीय परिवहन मजदूर संघ के 26वें त्रैवार्षिक अखिल भारतीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने देशभर के मजदूरों को एक किया और 23 जुलाई 1955 को भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की। उन्होंने विचार था कि मजदूर अपने आचार, विचार और सभ्यता से पूरी दुनिया को एक कर सकते हैं। उनका कहना था कि देश के सर्वांगीण विकास का सपना साकार करना है, तो स्वदेशी के प्रोत्साहन का कोई विकल्प नहीं है।

भारतीय परिवहन मजदूर संघ के त्रैवार्षिक अखिल भारतीय अधिवेशन के उद्घाटन समारोह को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने संबोधित किया।

राज्यपाल ने कहा कि जो संगठन सिर्फ स्वहित के विचार से काम करता है, उसका अस्तित्व धीरे-धीरे कम हो जाता है। प्रत्येक संगठन को स्वहित के साथ समाज और देश के हित का विचार रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों को भी समझें। उन्होंने मजदूरों को देश के विकास की धुरी बताया। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ आज देश के विविध क्षेत्रों में काम कर रहा है। देश के सबसे ज्यादा मजदूर इस संगठन से जुड़े हैं। प्रत्येक मजदूर ठेंगड़ी के सिद्धांतों का अनुसरण करें और राष्ट्रहित में अपना योगदान दें।

बागड़े ने राजस्थान को वीरों और संतों की भूमि बताया। उन्होंने कहा कि यहां बप्पा रावल जैसे शूरवीर और प्रतापी राजा हुए। जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं के दांत खट्टे कर दिए। उन्होंने कहा कि यह भौगोलिक विविधताओं वाला प्रदेश है। यहां के 9 जिले जनजातीय बाहुल्य वाले हैं। ये गौभक्तों का प्रदेश है। यहां की सभ्यता और परंपराएं अच्छी है। उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को बीकानेर के भुजिया और रसगुल्ला के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यहां के भुजिया और रसगुल्ला दुनिया भर में विशेष पहचान रखते हैं।

इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने दीप प्रज्वलित कर अधिवेशन का शुभारम्भ किया। स्वागताध्यक्ष मक्खन लाल कांडा ने स्वागत उद्बोधन दिया। भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय महामंत्री रविंद्र हिमते ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना, इतिहास और वर्तमान स्थिति से अवगत करवाया। भारतीय मजदूर परिवहन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमाकांत सचान ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। इस दौरान भारतीय परिवहन मजदूर संघ के प्रभारी वीआर वाच्छानी और भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री हरिमोहन शर्मा बतौर अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, सुमन छाजेड़ सहित देशभर से आए प्रतिभागी मौजूद रहे।

प्रतिभा खोज परीक्षा आज

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2025 का आयोजन रविवार को किया जाएगा। प्रदेश के समस्त 41 जिलों के 73 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा ली जाएगी। इसमें कुल 15 हजार 919 विद्यार्थी शामिल होंगे। बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड ने बताया कि कक्षा 10 और 12 के लिए राज्यस्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा एसटीएसई का आयोजन रविवार को सुबह 9 से दोपहर एक बजे तक किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। यह परीक्षा 41 जिलों के 73 राजकीय विद्यालयों पर बनाए गए परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी।

Office of The District Education Officer (HQ) Secondary Jalore (Raj.)
No. deo/hq/sec/jalore/Accounts/25-26/228 Date: 10.11.2025

NOTICE INVITING TENDER NO.-1

Bid of procurement of supply of complete Ladies & Gents Bicycles procurement is inviting form interest bidders up to 01.12.2025 time 11.30 AM. Other particulars of the bid may be visiting on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in of the site.

S. No.	Item/Description of work	Estimated cost (In Rupees)	UBN
01.	Supply of Complete Ladies & Gents Bicycles 20" (Colour-Orange)	1,04,53,914/-	EDU2526 GLOB00078

(Bhanwar Lal Parmar)
DIPR/C/16660/2025 Dist. Education Officer, (HQ) Secondary, Jalore

हनुमानगढ़ केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, हनुमानगढ़ (राज.)
Head Office, Hanumangarh Jn. (Raj.)
क्रमांक : 2025-26/सीबीएस /6269 दिनांक- 15.11.2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 02/2025-26
हनुमानगढ केन्द्रीय सहकारी बैंक क्षेत्रांतर्गत 232 ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं 51 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों में Request for Proposal (RFP) for supply, installation, commissioning and maintenance of Micro ATMs for PACS and DUSS of Hanumangarh Kendriya Sahakari Bank Ltd., के कार्य के लिये ई प्रोक्योमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म एवं ई-निविदा से संबंधित विवरण व शर्त वेबसाईट: www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर एवं कार्यालय समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर देखे जा सकते है।
NIB CODE:- HKB2526A0002, UBN No :- HKB2526GLRC00002
- प्रबन्ध निदेशक

जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए : शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में मीडिया से बात की

- **बिहार की जनता ने प्रचंड बहुमत एनडीए को देकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल विकास आधारित ही रहेगा : शेखावत**
- **'अंता उपचुनाव में भाजपा की हार के जो कुछ भी कारण रहे, निश्चित रूप से यह आत्मवलोकन का विषय है, हम सब मिलकर इस पर विचार करेंगे और इस पर आगे हम किस तरह से भाजपा की सरकार की नीतियों का प्रभाव जनता के हृदय तक पहुंचाएं, इस पर निश्चित रूप से कार्य करेंगे'**

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि झूठे नैरेटिव गढ़कर, वोट चोरी जैसे अर्थहीन, आधारहीन आक्षेप लगाकर और संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर अनेक तरह के भ्रमजाल फैलाने का प्रयास करके वोट प्राप्त करने की कोशिश को अब जनता स्वीकार नहीं करेगी। बिहार चुनाव ने इस एक बात को बहुत अच्छी तरीके से इस देश के सामने स्पष्ट कर दिया है। शनिवार को अपने गृह जनपद पहुंचे शेखावत ने मीडिया से बातचीत में बिहार चुनाव के नतीजों पर कहा कि भाजपा और एनडीए गठबंधन के सभी घटक दलों ने जिस तरह से एकजुटता का परिचय देते हुए अपनी सामूहिक संगठनात्मक शक्ति का परस्पर उपयोग करके चुनाव लड़ा, उसके साथ-साथ बिहार के चुनाव में जो मुख्य मुद्दा जंगल राज बनाम विकासवाद का था, इन दोनों के बीच जनता को चुनाव करना था। जनता ने प्रचंड बहुमत एनड़ीए को देकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इस देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल और केवल विकास-आधारित ही रहेगा।

शेखावत ने कहा कि सामान्यत: देश में अनेक ऐसे उदाहरण देखने को मिल सकते हैं, जब देश की जनता ने परिवर्तन के लिए घर से बाहर निकलकर औसत से अधिक मतदान किया हो, लेकिन इस बार पहली बार देश की जनता ने नकारात्मक राजनीति करने वाले और झूठ की राजनीति करने वाले लोगों को जवाब देने के लिए, औसत से कहीं अधिक मतदान करके प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन की सरकार बनाकर का स्पष्ट संदेश दिया है कि अब देश में झूठ की राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। विपक्ष को लेकर शेखावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और आरजेडी के नेताओं ने जिस तरह से हल्के स्तर पर चुनाव को ले जाने का प्रयास किया था, जिस तरह की हल्की टिप्पणियां की गई थी। प्रधानमंत्री की माताजी से लेकर छठ मैया तक किसी को भी उन्होंने नहीं बख्शा था। बिहार की जनता ने जवाब दिया है। कांग्रेस का नाम लिए बगैर शेखावत ने कहा कि जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए। यह स्पष्ट हो गया है कि अब देश में केवल और केवल विकास की राजनीति व विकास के एजेंडा को ही देश की जनता स्वीकार करने वाली है।

अंता उपचुनाव में भाजपा की हार के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपचुनाव कई विषयों से जुड़े होते हैं और उपचुनाव को किसी आम चुनाव के बराबर करके नहीं देखा जा सकता। अंता विधानसभा को आज से लेकर जब से चुनाव प्रारंभ है, तब से लेकर आज तक देखा जाए तो वैसे भी केवल दो बार को छोड़कर अधिकांश समय यह विधानसभा भाजपा के खाते में नहीं आ पाई। जो कुछ भी कारण रहे, जो कुछ भी विषय रहे, निश्चित रूप से यह आत्मवलोकन का विषय है। हम सब मिलकर इस पर विचार करेंगे और इस पर आगे हम किस तरह से भाजपा की सरकार की नीतियों का प्रभाव जनता के हृदय तक पहुंचाएं, इस पर निश्चित रूप से कार्य करेंगे।

केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आज दिल्ली से सुबह जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर छात्र जीवन के साथी एवं शेरगढ़ के विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने गले मिलकर बाबू सिंह राठौड़ को जन्मदिन की बधाई शुभकामना दी। उन्होंने शेखावत का बालाजी भगवान का प्रसाद खिलाकर मुंह मीठा कराया।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर तिरंगा यात्रा निकाली

हनुमानगढ़ में ''जनजातीय गौरव दिवस'' पर तिरंगा यात्रा निकाली।

हनुमानगढ़, (निसं.)। केंद्र सरकार द्वारा 2021 में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को ''जनजातीय गौरव दिवस'' के रूप में घोषित किया गया था। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक, ब्रिटिश राज में 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में आदिवासी धार्मिक आंदोलन के नेतृत्वकर्ता भगवान बिरसा मुंडा को आदिवासी भगवान मानते हैं और ''धरती आबा'' कहते हैं। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम से पहले अम्बेडकर चौक से कलेक्ट्रेट होते हुए सिविल लाइन स्थित सामुदायिक भवन तक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा से पहले अम्बेडकर चौक पर डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए।

जंक्शन के सिविल लाइन स्थित सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने आदिवासी महापुरुषों के योगदान को दर्शाती जिला स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। डूंगरपुर से राज्य स्तरीय कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हुए मुख्य कार्यक्रम का जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाइव प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रॉपर्टी कार्ड एवं भूखंडों के पट्टे वितरित किए गए। एनएमपीजी कॉलेज के सहायक आचार्य सिद्धार्थ राव ने बिरसा मुंडा के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव सहित जनप्रतिनिधि अमित चौधरी, बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, हनुमानगढ़ विधायक गणेश राज बंसल, विकास गुप्ता, देवेंद्र पारीक, आशीष पारीक, ओम सोनी, जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, सीडीईओ पन्नालाल कड़ेला, डीओआईटी संयुक्त निदेशक योगेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, स्कूली विद्यार्थी, एनसीसी एवं स्काउट कैडेट्स मौजूद रहे।

ट्रक और कार की भिड़ंत में दो जने गंभीर घायल

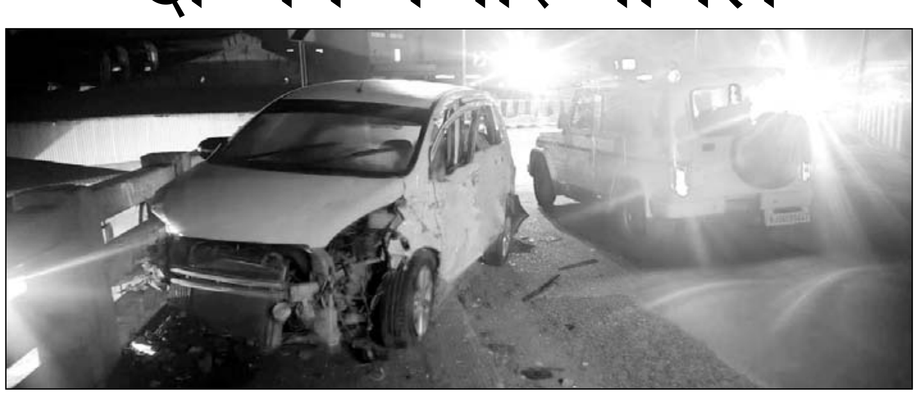

मांडल रेलवे ओवरब्रिज के खतरनाक घुमाव पर हुये हादसे में कार आगे से क्षतिग्रस्त हो गई।

- **कार सवार लोग पाली से सांवरिया सेठ दर्शन के लिए जा रहे थे**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल रेलवे ओवरब्रिज के खतरनाक घुमाव पर शनिवार तड़के करीब तीन बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें ट्रक और कार में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि टक्कर के बाद भी कार पुलिया के ऊपर से नीचे नहीं गिरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार शंकर (35) पुत्र कानाराम माली तथा पंकज पुत्र झालाराम, निवासी सोजत सिटी, पाली से सांवरिया सेठ दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार ओवरब्रिज के खतरनाक मोड़ पर पहुंची, सामने से आ रहे ट्रक से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मांडल पुलिस तथा 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। 108 के पायलट प्रभु प्रजापत एवं मेल नर्स गिरिराज पायक ने घायलों को प्राथमिक उपचार देकर तुरंत महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय, भीलवाड़ा पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। गौरतलब है कि मांडल ओवरब्रिज पर निर्माण समय से ही दो मोड़ के बीच खतरनाक और अप्राकृतिक घुमाव छोड़ा गया है। इसी तकनीकी खामी के कारण इस स्थान पर अब तक सैकड़ों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि लगभग एक दर्जन लोगों की जान भी जा चुकी है। स्थानीय लोग कई बार इस मोड़ के पुनर्निर्माण व सुधार की मांग कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया, तो यह मोड़ और बड़ी दुर्घटनाओं को दावत देता रहेगा।

लूट प्रकरण में नौकरानी सहित तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर महिला की हत्या या लूट की वारदात को अंजाम देने का असफल प्रयास करने वाली नौकरानी सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 12 नवंबर को पीड़ित मितेश पुत्र कमल किशोर गोलछा निवासी उदयविहार कॉलोनी प्रतापनगर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि अपरान्ह में मेरी मां घर पर थी। इस दौरान नकाबपोश दो बदमाश मकान में घुसे तथा मां के गले पर हमला कर चाकू लाने की बात बोल रहे थे। इस दौरान मां व वहां मौजूद नौकरानी के चिल्लाने पर पकड़े जाने के भय से दोनों बदमाश बाहर बाइक पर खड़े साथी के साथ फरार हो गए।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह चारण के नेतृत्व में टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर प्रदीप परदेशी उर्फ प्रेक्षु उर्फ ओमप्रकाश परदेशी, रितिका विग पुत्री संजय विग तथा रेखा मेघवाल पत्नी रोशन मेघवाल को गिरफ्तार किया। अनुसंधान में पता चला कि नौकरानी रेखा का भाई कमलेश मेघवाल पूर्व में लूट के मामलों में चालानशुदा है, जिससे पूछताछ की तो उसने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस पर प्रदीप परदेशी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने वारदात करना कबूल किया था। पूछताछ में उसने बताया कि कमलेश मेघवाल की बहन रेखा तथा उसकी महिला मित्र रितिका ने उक्त मकान से नकदी व गहने चोरी का प्लान बनाया तथा मुझे लोकेश मेघवाल व कमलेश मेघवाल को प्लान में शामिल किया। प्लान के अनुसार मकान मालिक के घर से बाहर जाने पर रेखा मेघवाल ने रितिका को सूचित किया ताकि रितिका के बताए अनुसार हमने घटना की। आरोपी कमलेश, लोकेश तथा प्रदीप तीनों ही शातिर अपराधी होकर पूर्व में लूट व लड़ाई झगड़े के मामलों में चालानशुदा है।

अवैध शराब समेत दो आरोपी गिरफ्तार : उदयपुर के सविना थाना पुलिस ने अवैध शराब से भरी केन मय कार जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। सविना थानाधिकारी अजयसिंह व डीएसटी प्रभारी विक्रम सिंह के नेतृत्व में गठित दल ने बिलिया में गुप्तेश्वर महादेव रोड़ पर स्थित गोदाम पर दबीश दी। जहां जितेन्द्र खटीक व रतनसिंह के कब्जे से किराए के गोदाम में रखी शराब बीयर की 500 एमएल के 43 केन व अन्य शराब की 500 एमएल के 866 केन सहित909 केनों को जब्त कर मौके से केनों को ड्रम में पैकिंग करने में प्रयुक्त सामग्री व कार जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। मंगरोप क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम ने अवैध शराब बनाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2400 लीटर वॉश नष्ट की और 110 लीटर हथकड़ शराब जब्त की।

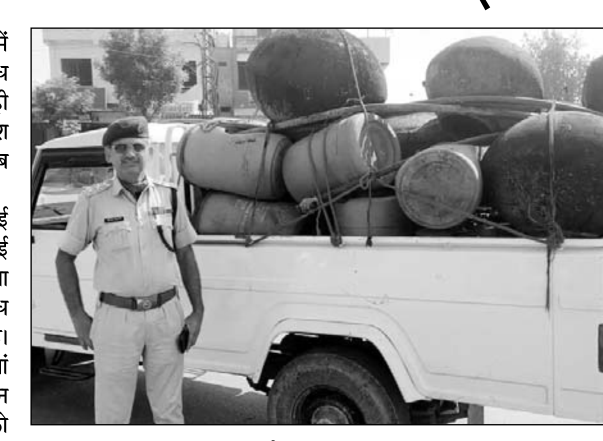

आबकारी विभाग की टीम ने 110 लीटर हथकड़ शराब जब्त की।

जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पेट्रोलिंग ऑफिसर धोलाराम विश्नोई के नेतृत्व में की गई। टीम को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में गंदे पानी से अवैध रूप से शराब तैयार की जा रही है। कार्रवाई के दौरान मौके पर कई भट्टियां भी मिली, जिनसे शराब का उत्पादन किया जा रहा था। इन सभी भट्टियों को तोड़कर नष्ट किया गया।

बताया जा रहा है कि गंदे पानी से तैयार की जा रही यह शराब स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक थी। विभाग ने इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्त नजर रखते हुए आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रखने का संकल्प जताया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए नियमित रूप से छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्र में जनस्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

दुष्कर्म के दो आरोपियों को आजीवन कारावास

जालोर, (का.सं.)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के विशिष्ट न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने शुक्रवार को नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित के अनुसार पीड़िता की माता ने एक पुलिस थाना में रिपोर्ट पेश कर बताया कि 9 अप्रैल 2025 को सुबह नाबालिग पुत्री घर से स्कूल जा रही थी। तब मैन रोड पर एक ब्रेजा कार में सवार होकर आये दाउद खां व रफीक खां दोनों ने उसकी नाबालिग पुत्री को जबरन शादी करने की नियत से पकड़कर गाड़ी में डालकर भगाकर ले गये। लेकिन रास्ते में गाड़ी रोकी। उस दौरान उसकी नाबालिग पुत्री मौका देखकर गाड़ी से उतर अपने मामा के घर चली गई। उसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दी।

पीड़िता ने घर आकर बताया कि वह घर से स्कूल जा रही थी, तब दाउद खा व रफीक खान उसे भगाकर ले गये तथा दाउद खान ने उसके साथ गलत काम किया। रफीक खान गाड़ी चल रहा था। यदि वह मौके देखकर नही भागती तो ये लोग उसे आगे लेकर चले जाते।

उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से सत्तराह गवाह के बयान लेखबद्ध किये गये। पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने दोनो पक्षों की बहस सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दाउद खान को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने तथा रफीक खान को आरोपी दाउद खान का सहयोग करने के लिए दोनों को सामूहिक रूप से दुष्कर्म का दोष्शी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं पचास हजार रूपये के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया गया।

कल्याणी अवाड्र्स-2025 का आयोजन

भीलवाड़ा, (निसं)। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उद्यिमता एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गठित कल्याणी फाउंडेशन द्वारा निजी रिसॉर्ट में आयोजित कल्याणी अवाड्र्स 2025 के तहत अपने क्षेत्र में सफल 11 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिविशिष्ट अतिथि मिसेज इंडिया इंटरनेशनल सिद्धी जौहरी को भी मुख्य अतिथि विधायक अशोक कोठारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, विशिष्ट अतिथि एकता ओस्तवाल, टीना सोनी, फाउंडेशन अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने प्राउड वुमन ऑफ इंडिया अवार्ड से नवाजा।

अवॉर्ड समारोह में मिसेज इंडिया इंटरनेशनल सिद्धी जौहरी ने कहा कि शहर में विभिन्न क्षेत्रों की सफल महिलाओं का चयन कर एक माला में पिरोकर कल्याणी फाउंडेशन ने मिसाल कायम की है। उन्होंने महिलाओं को प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि वे अपने काम के साथ परिवार, मेडिटेशन और स्वास्थ्य को लेकर भी जागरूक रहें। इन सभी का सामंजस्य ही सफलता की सीढ़ी बनेगी। विधायक अशोक कोठारी ने कहा कि महिलाएं अलग अलग क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। उनको एक प्लेटफार्म पर लाकर सम्मानित करना सभी के लिए प्रेरणा बनेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने सम्मानित होने वाली महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को ऐतिहासिक बताया। इससे पूर्व कल्याणी फाउंडेशन की अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अपने नाम के अनुरूप फाउंडेशन महिलाओं को पहचान दिलाने से लेकर सम्मान दिलाने तक की मुहिम के साथ काम कर रहा है। रेणु जैन द्वारा गणेश वंदना के साथ प्रारंभ समारोह में सुविख्यात गायिका चुनौती नाहर ने महिला शक्ति को समर्पित गीत का संगान किया।

बाइकों की भिड़ंत एक की मौत

जोधपुर, (कासं)। डांगियावास स्थित कांकेलाव गांव में दो बाइक की भिड़ंत हो गई। एक बाइक सवार घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कांकेलाव निवासी देवेंद्र प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पिता बिरमाराम प्रजापत बाइक लेकर 11 नवंबर को कांकेलाव गांव की सरहद से निकल रहे थे। तब एक अन्य बाइक सवार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने किया कार्य बहिष्कार

झुंझुनूं, (निसं)। पूरे प्रदेश में एसआईआर का काम चल रहा है, लेकिन एसआईआर के कार्य में गति देने के लिए अब बीएलओ को टारगेट दिए जा रहे हैं, जो उनके लिए सिरदर्द बन गया है। इसी के चलते शनिवार को झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने कार्य बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया।

झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया।

- **एसआईआर के कार्य में गति देने के लिए अब बीएलओ को टारगेट दिए जा रहे हैं, जो उनके लिए सिरदर्द बन गया है**
- **बीएलओ के साथ पहले एसडीएम कौशल्या विश्नोई और बाद में एडीएम डॉ. अजय आर्य ने वार्ता की, बाद में बीएलओ वापस लौटे**

जानकारी के अनुसार शनिवार को झुंझुनूं विधानसभा में एसआईआर के काम को गति देने के लिए रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम कौशल्या विश्नोई ने बीएलओ की बैठक बुलाई थी, लेकिन सभी बीएलओ बैठक में जाने की बजाय कलेक्ट्रेट पर धरने पर बैठ गए। अचानक बीएलओ के धरने की सूचना पर तहसीलदार महेंद्र मूंड पहुंचे,जिन्होंने समझाइश की और फिर जिला परिषद के सभागार के बंद कमरे में बीएलओ के साथ पहले एसडीएम कौशल्या विश्नोई और बाद में एडीएम डॉ. अजय आर्य ने वार्ता की। करीब चार घंटे की कशमकश के बाद बीएलओ वापिस लौटे।

इस मामले में जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने बताया कि बीएलओ भी हमारी टीम का हिस्सा है। उनकी कुछ समस्याएं थी, जिनको सुन लिया गया है और समाधान कर रहे हैं। झुंझुनूं, मंडावा और उदयपुरवाटी विधानसभा में एसआईआर का काम धीमी गति से चल रहा है। जिसे जल्द ही तेज कर लिया जाएगा। इधर, मंडावा विधानसभा की रिटर्निंग अधिकारी मलसीसर एसडीएम सुमन देवी ने एक साथ ही 136 के करीब बीएलओ को धीमी गति में काम करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिससे बीएलओ में हड़कंप मच गया है।

वहीं दूसरी तरफ झुंझुनूं विधानसभा के झुंझुनूं शहर के 10 बीएलओ पर लगाए गए सुपरवाइजर का अधिकारिक व्हाट्पऐप ग्रुप में शनिवार सुबह किया गया मैसेज भी वायरल हो रहा है, जिसमें यह सुपरवाइजर अपनी पीड़ा बताते हुए अंत में लिख रहा है कि 'चार दिसंबर तक मैं जिंदा रहूंगा या नहीं, यह भी नहीं पता।' बहरहाल, अब बीएलओ काम पर लौट आए है। जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

इससे पहले झुंझुनूं में शनिवार सुबह एसआईआर कार्यक्रम को ब्रेक के साथ-साथ उस समय झटका लग गया। जब एसआईआर अभियान के दौरान बढ़ते काम के दबाव को लेकर झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों ने सुबह-सुबह ही फिल्ड में काम पर जाने की बजाय कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और धरना दिया। बीएलओ ने आरोप लगाया था कि बिना आवश्यक सहायक स्टाफ के उनसे दोहरी जिम्मेदारियों को पूरा करने का दबाव डाला जा रहा है, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। बीएलओ ने बताया कि पहले उनकी आईडी लेकर फार्म ऑनलाइन कर दिए गए। अब अचानक प्रत्येक बीएलओ पर 150 फॉर्म कलेक्ट करने और उनमें से 100 फॉर्म ऑनलाइन अपलोड करने के लिए पाबन्द किया गया है।

उनका कहना है कि फील्ड में जाकर फार्म भरवाना और साथ-साथ ऑनलाइन अपलोड करना अकेले व्यक्ति से इस टारगेट को पूरा करना सम्भव नहीं है। बीएलओ प्रतिनिधियों ने कहा कि भारी कार्यभार के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की सहायक टीम, तकनीकी सहयोग या अतिरिक्त समय नहीं दिया जा रहा है, जिससे वे मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान बीएलओ ने कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें कार्यभार कम करने तथा सहायक स्टाफ उपलब्ध कराने की मांग शामिल है। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और उन्होंने बीएलओ से बातचीत कर स्थिति समझने की कोशिश की। उनकी समझाइश के बाद आंदोलनरत बीएलओ और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच वार्ता का दौर प्रारंभ हुआ, लेकिन इस वार्ता से भी मीडिया को दूर रखा गया और बंद कमरे में वार्ता की गई। इधर, बीएलओ ने चेतावनी दी कि यदि कार्यभार संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं करने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी थी।

बीकानेर की मंडियों में मूंगफली की बंपर खरीद, 10 दिन में 40 लाख बोरी उठाव

- **पिछले दस-पंद्रह दिनों में गुजरात से आए 30-40 बड़े ब्रोकरों ने बीकानेर की दो प्रमुख मंडियों से करीब 25 से 40 लाख बोरी मूंगफली का उठाव किया**
- **अचानक बढ़ी मांग से बीकानेर के किसानों को बाजार में करीब 500-700 रुपए क्विंटल की सीधी बढ़ोतरी का लाभ मिला**

बीकानेर, (निसं)। गुजरात में इस साल मूंगफली की फसल में बारिश व कटाई में देरी ने बीकानेर के कृषि बाजार को अचानक 'हॉटस्पॉट' बना दिया है। पिछले दस-पंद्रह दिनों में गुजरात से आए 30-40 बड़े ब्रोकरों ने बीकानेर की दो प्रमुख मंडियों श्रीगंगानगर रोड व पूगल रोड से करीब 25 से 40 लाख बोरी मूंगफली का रिकॉर्ड उठाव किया है। अचानक बढ़ी मांग से बीकानेर किसानों को बाजार में करीब 500-700 रुपए क्विंटल की सीधी बढ़ोतरी का लाभ मिला है।

गुजरात में दीपावली के बाद मूंगफली की बंपर आवक हर साल तय रहती है, लेकिन इस बार हालात पूरी तरह उलट गए। नवंबर के पहले पखवाड़े में गुजरात के कई मूंगफली उत्पादक जिलों में दो-दो इंच तक बारिश हो गई। खेतों में खड़ी या कट चुकी फसल की नमी बढ़ने और छिलके काले पड़ने से वहां के व्यापारियों के लिए समय पर एक्सपोर्ट का दबाव बढ़ गया। गुजरात की मंडियों में आवक शुरू होने में अभी कम से कम 10-15 दिन और लगने का अनुमान है।

ऐसे में एक्सपोर्ट शेड्यूल न बिगड़े, इसलिए गुजरात के ब्रोकरों ने बीकानेर की मंडियों की तरफ रुख कर लिया। बीकानेर देश की प्रमुख मूंगफली बेल्ट में से एक है। यहां का दाना आकार, तेल प्रतिशत और नमी अनुपात के कारण एक्सपोर्ट क्वालिटी मानकों पर खरा उतरता है। यही कारण है कि महज 10 दिनों में गुजरात से आए ब्रोकरों द्वारा 25 से 40 लाख बोरी की रिकॉर्ड खरीद दर्ज की गई। इसी मांग ने बाजार को तेजी दे दी।

पिछले सप्ताह तक जहां मूंगफली के भाव 500-700 रुपए प्रति क्विंटल नीचे चल रहे थे, वहीं शुक्रवार को श्रीगंगानगर रोड मंडी में 1.25 लाख बोरी और पूगल रोड मंडी में 40-60 हजार बोरी मूंगफली की आवक दर्ज हुई। बीकानेर जिले में इस वर्ष 2.90 लाख हेक्टेयर में मूंगफली की बिजाई हुई और कृषि विभाग के अनुमान अनुसार उत्पादन 8.70 लाख मैट्रिक टन तक पहुंच सकता है। बढ़ी हुई खरीद शक्ति से अब किसानों में तेजी से विक्रय करने का उत्साह देखा जा रहा है। दूसरी ओर, गुजरात में अपेक्षित 55 लाख बोरी के बजाय अब 40 लाख बोरी की संभावित आवक मानी जा रही है। यानी लगभग 25 प्रतिशत तक फसल अनुमान घट गया है। इसी अंतर ने बीकानेर की मंडियों को देशभर के ब्रोकरों के लिए 'रीलायबल सोर्स' बना दिया।

दी बीकानेर वूल एवं अनाज ट्रेडर्स संस्था के अध्यक्ष रामदयाल सारण ने बताया कि बीकानेर की मूंगफली गुणवत्ता, जलवायु और तेजी से उपलब्धता के कारण इस बार देशभर के खरीदारों के लिए मजबूरी नहीं, बल्कि प्राथमिक पसंद बन गई है। गुजरात में फसल देरी से जहां ब्रोकरों को नया विकल्प मिला, वहीं बीकानेर किसानों को भी वर्षों बाद अचानक उभरी बाजार मांग से बड़ा आर्थिक लाभ मिला है। आने वाले 15 दिन में गुजरात में आवक बढ़ने की उम्मीद के बीच फिलहाल बीकानेर देश की मूंगफली मंडियों का केंद्र बनी हुई है।

गणिवर्य के साथ करीब 17 किलोमीटर चलकर विदा किया

गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर व मुनि वृंद विहार कर नाल में दादाबाड़ी पहुंचे।

- मेहुल प्रभ सागर व मुनि वृंद का विहार, नाल में दादाबाड़ी दर्शन वंदन
- रविवार सुबह गजनेर, कोलायत व बाप की ओर विहार करेंगे

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ के गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर, मुनि मंथन प्रभ सागर व बाल मुनि मीत प्रभ सागर शनिवार को डागा सेठिया, पारख चौक के महावीर भवन से फलौदी के लिए शनिवार को विहार किया।

उन्होंने मुरलीधर व्यास कॉलोनी बाड़मेर के भूरचंद भंसाली निवास होते हुए नाल गांव स्थित दादाबाड़ी पहुंचे। जहां उन्होंने मुनिवृंद व श्रावक-श्राविकाओं के साथ दादा गुरूदेव जिन कुशल सूरिश्वर की दादाबाड़ी में दर्शन वंदन किए तथा बीकानेर से 17 किलोमीटर दूर वरिष्ठ श्रावक एन.सी.एक्सपोर्ट कंपनी (ऊन मील) परिसर पहुंचे। वहां से रविवार सुबह गजनेर, कोलायत व बाप की मार्ग पर विहार करेंगे।

गणिवर्य के साथ खरतरगच्छ युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल सुराणा, उपाध्यक्ष कमल सेठिया, कोषाध्यक्ष अनिल पारख, राकेश बांठिया, खरतरगच्छ युवक परिषद के नरेन्द्र पूगलिया, महावीर नाहटा, राकेश बांठिया, गौरव सावनसुखा, धर्मेन्द खजांची, कपिल भंसाली सहित केयूप के अनेक सदस्य, गोचरी व वैयावच सेवा के प्रभारी लवलीन पारख, ज्ञान वाटिका प्रभारी सुनीता नाहटा, विहार व अनेक बालक-बालिकाओं ने गणिवर्य के साथ करीब 17 किलोमीटर चलकर विदा किया।

खरतरगच्छ युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल सुराणा ने बताया कि महावीर भवन से मुरलीधर व्यास नगर तक खरतरगच्छ युवक परिषद, खरतरगच्छ महिला परिषद, ज्ञान वाटिका के बालक बालिकाओं व विचक्षण महिला मंडल की सदस्याओं, साध्वी दीपमाला, शंखनिधि, चातुर्मास में सेवाएं देने वाले उदासर के कोठारी परिवार व गंगाशहर के पुगलिया, फौजराज बांठिया परिवार के सदस्यों के साथ अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने गणिवर्य को 'देव, गुरू व धर्म' के जयकारों के साथ भावभीनी विदाई दी।

मुरलीधर व्यास कॉलोनी के भंसाली निवासर पर वरिष्ठ श्रावक भूरचंद भंसाली, खरतरगच्छ युवक परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक राजीव खजांची, रमेश संकलेचा बाड़मेर व कपिल भंसाली तथा परिवार की श्राविकाओं ने गंवली सजाकर गणिवर्य व मुनिवृंद का स्वागत वंदन किया।

सुराणा ने बताया जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्य प्रवर जिन मणि प्रभ सूरिश्वर महाराज के आज्ञानुवर्ती गणिवर्य व मुनि मंथन प्रभ सागर, गायक बाल मुनि मीत प्रभ सागर ने संबोधि चातुर्मास 2025 के लिए नगर प्रवेश 4 जुलाई 25 को किया था। गणिवर्य का चातुर्मास धर्म-आध्यात्मिक कार्यक्रमों से ऐतिहासिक रहा। गणिवर्य ने बीकानेर के इतिहास, कला व संस्कृति, जिनालय व अभिलेखागार के साथ जैन समाज के धरोहरों का अध्ययन कर लेखन कार्य किया। उनका क्षमा कल्याण महाराज पर शोध कार्य अनुकरणीय रहा। खरतरगच्छ युवक परिषद के मंत्री विक्रम भुगड़ी ने बताया कि साध्वी दीपमाला ने पन्द्रह वर्ष के बाद मुंबई की शंखनिधि श्रीजी का कुछ माह ढड्ढा चौक के इंद्रलोक में प्रवास रहेगा।

डॉक्टरों ने कैंसर पर साझा किए नए अनुभव

बीकानेर, (कासं)। आचार्य तुलसी कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की ओर से शनिवार को रिद्धि सिद्धि रिसोर्ट में हेमेटोलॉजी एवं बोनमैरो कान्क्लेव 2025 (थर्ड चैप्टर) का शुभारंभ हुआ। डॉ. पंकज टांटिया की अगुआई में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में सुबह 8 बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ और 300 से अधिक डॉक्टरों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में पैथोलॉजी, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और ब्लड कैंसर के इलाज पर गहन चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत पैथोलॉजी और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन पर लेक्चर से हुई। जयपुर की डॉ. शशि बंसल ने बोनमैरो जांच को और बेहतर बनाने के तरीके बताए। जबकि ऐसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीतिका अग्रवाल ने नई सीबीसी मशीनों के पैरामीटर्स पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पीबीएम हॉस्पिटल में इंस्टॉल नई मशीनों से बड़ी जांचों की जरूरत कम हो जायेगी और बीमारियां जल्दी पकड़ी जा सकेंगी।

मुख्य वक्ता मुंबई बॉम्बे हॉस्पिटल के विभागाध्यक्ष एवं मुंबई हेमेटोलॉजी ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.बी. अग्रवाल ने ब्लड कैंसर की बढ़ती समस्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ब्लड कैंसर आज जानलेवा और आम हो गया है। इसे नियंत्रित करने के लिए जांच सुविधाएं बढ़ानी होंगी ताकि मरीज को जल्दी पता लगे और इलाज संभव हो। गुड़गांव फोर्टिस हॉस्पिटल के हेमेटोलॉजी एवं बीएमटी विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल भार्गव, जिनके पास 1200 से अधिक बोनमैरो ट्रांसप्लांट का अनुभव है, ने कहा कि ऐसे आयोजन डॉक्टरों को एक प्लेटफॉर्म देते हैं।

स्थाई लोक अदालत करेगी समस्याओं का समाधान

बीकानेर, (कासं)। अब स्थाई लोक अदालत जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित शिकायतों, समस्याओं का समाधान करेगी।

इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आवेदन करना होगा जिसका पैनल मौका मुआयना और छानबीन करने के बाद वाद पेश करेगा। जिस पर सुनवाई के बाद निर्णय लिया जायेगा। इससे सरकारी महकमों की लचर व्यवस्था पर शिकंजा कसेगा और आमजन की परेशानियां दूर होंगी।

आमजन की शिकायतें और विवाद लगातार बढ़ते जा रहे हैं और उनकी जायज समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। इसे देखते हुए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विशेष अभियान न्याय आपके द्वार - लोक उपयोगिता और समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान शुरू किया गया है जो 10 फरवरी, 2026 तक लगातार तीन महीने चलेगा।

इस अभियान में आमजन की बिजली, पानी, सड़क जैसी समस्याओं का समाधान होगा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने व्हाट्सअप नंबर 9119365734 जारी किए हैं। इन नंबर पर आमजन से आवेदन लिए जायेंगे। जिसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तक पहुंचाया जायेगा।

प्राधिकरण का पैनल आवेदन में बताई गई समस्या के बारे में छानबीन करेगा और सही पाये जाने पर स्थाई लोक अदालत में वाद पेश किया जायेगा जिससे समाधान हो सके। पूरी प्रक्रिया के दौरान आमजन को विधिक सेवा निशुल्क मिलेगी।

सार-समाचार

बाल वाहिनियों में कमियां मिली

अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मांडवी राजवी ने बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण किया।

बीकानेर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव और अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मांडवी राजवी ने शनिवार को स्कूलों में संचालित बाल वाहिनियों का पुनः औचक निरीक्षण किया। न्यायाधीश ने बताया कि यह अभियान का दूसरा दिन है। इस दौरान बाल वाहिनियों में पाई गई कमियों को अविलम्ब दूर करने के लिए वाहन चालकों को निर्देशित किया गया। शिवबाडी रोड स्थित एक निजी स्कूल के वाहनों में आपातकालीन निकास, प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यत्र, जीपीएस, ग्रिल व मेश नहीं लगे हुए थे। इसी दौरान महिला थाना रोड पर एक वाहन चालक द्वारा टैक्सी में बच्चों को गेट पर व पीछे की साइड में बिठाया हुआ था। सुरक्षा संबंधी कोई इंतजाम नहीं थे। ऐसे और भी कई बाल वाहन मिले, जिनमें निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को असुरक्षित रूप से बिठाया जा रहा है। इसके लिए उनसे समझाइश की गई। निरीक्षण के दौरान परिवहन निरीक्षक सुरेन्द्र बेनीवाल व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

केन्द्रीय विद्यालय नं. 3 नाल में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक को एयर कमोडोर अमित कुमार ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नं. 3 नाल, बीकानेर में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन हुई। बैठक की शुरूआत पीजीटी अंग्रेजी स्नेह मीणा द्वारा सभी समिति सदस्यों के औपचारिक स्वागत के साथ हुई। विद्यालय के प्राचार्य दिलीप सिंह राजपुरोहित ने समिति के अध्यक्ष एयर कमोडोर अमित कुमार बुधवार का गुलदस्ता प्रस्तुत कर स्वागत किया। विद्यालय की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा निर्धारित एजेंडा बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक एवं सारगर्भित चर्चा की गई। इस अवसर पर विजय शंकर आचार्य (से.नि.) संयुक्त निदेशक, शिक्षा कार्यालय बीकानेर सहित अन्य सदस्यों ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियों में प्राप्त उत्कृष्ट सफलताओं की सराहना की। उन्होंने विद्यालय परिवार के सतत प्रयासों और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रजाई की दुकान में आग लगी

अनूपगढ़, (कासं)। नई धान मंडी स्थित लक्ष्मी रजाई गद्दा हाउस में दोपहर करीब 3:15 बजे भीषण आग लग गई। आग लगने से दुकान में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड, पुलिस और व्यापार मंडल की टीम मौके पर पहुंची और लगभग 40 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दुकान के मालिक सुमित राय ने बताया कि वह दोपहर में अपने बच्चों को स्कूल से घर छोड़ने गए थे। उस समय दुकान पर चार कर्मचारी काम कर रहे थे। कुछ देर बाद एक कर्मचारी ने फोन कर दुकान में आग लगने की सूचना दी। सुमित राय जब मौके पर पहुंचे, तब तक आग पूरी दुकान में फैल चुकी थी। आग बुझाने के लिए स्थानीय लोगों ने भी अपने स्तर पर प्रयास किए लेकिन आग लगातार फैलती गई। सुमित राय ने तुरंत फायर ब्रिगेड, पुलिस और अनूपगढ़ व्यापार मंडल को सूचना दी। सबसे पहले व्यापार मंडल से पानी का टैंकर मौके पर पहुंचा, जिसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। दुकान के मालिक ने बताया कि आगजनी में उनकी दुकान में रखी रजाई बनाने की तीन मशीनें, रूई और अन्य कच्चा माल जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि प्राथमिक अनुमान के अनुसार इस घटना में लगभग 12 से 15 लाख रूपए का नुकसान हुआ है।

बीडीओ को क्लीनचिट दी

अनूपगढ़, (कासं)। पंचायत समिति में विकास अधिकारी विनोद कुमार के निलंबन की मांग को लेकर 32 ग्राम पंचायतों के प्रशासकों का धरना नौ दिन से जारी है। इस बीच मामले की जांच कर रही टीम ने अपनी रिपोर्ट जिला कलेक्टर को सौंप दी है, जिसमें बीडीओ को क्लीन चिट दी गई है। दो प्रशासक पिछले तीन दिन से अनशन पर हैं। जांच कमेटी ने 7 नवम्बर को बीडीओ विनोद रैगर पर लगे महिला कार्मिक को एसीईओ कार्यालय में बंद करने के आरोपों को निराधार पाया है। कलेक्टर की ओर से गठित इस कमेटी ने बीडीओ विनोद रैगर को निर्दोष करार दिया है। अनूपगढ़ पंचायत समिति के ग्राम पंचायत प्रशासकों ने बीडीओ पर एसीईओ कार्यालय में एक महिला कार्मिक को ताले में बंद कर भागने का आरोप लगाया था। हंगामे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीएम ने बंद कमरे का ताला खुलवाकर महिला कार्मिक को बाहर निकाला था। इसके बाद प्रशासकों ने बीडीओ के निलंबन की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया था। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम सूरतगढ़ और एसीईओ जिला परिषद श्रीगंगानगर को शामिल कर एक जांच कमेटी गठित की थी। इस कमेटी ने अब अपनी जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी है, जिसमें बीडीओ को निर्दोष माना गया है। जांच रिपोर्ट में महिला कार्मिक का प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) रद्द करने की भी सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में 54 जीबी ग्राम पंचायत प्रशासक के खिलाफ की गई कार्रवाई को विकास अधिकारी और प्रशासकों के बीच विवाद का मुख्य कारण माना गया है। विकास अधिकारी ने 54 जीबी ग्राम पंचायत में ग्रामीणों की शिकायत पर पांच साल में हुए विकास कार्यों और सरकारी स्थायी संपत्ति के खुर्दबुर्द करने के मामले की जांच की थी। इस जांच में प्रशासक और ग्राम विकास अधिकारी को दोषी मानते हुए 5,69,660 रूपए की वसूली प्रस्तावित की गई थी। साथ ही प्रशासक को पद से हटाने के संबंध में उच्चाधिकारियों को लिखा गया था।

हस्तकला, पाक कला प्रतियोगिता

नोखा, (कासं)। सावित्री देवी गट्टानी बालिका आदर्श विद्या मंदिर नोखा में शनिवार को हस्तकला और पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यालय के शनिवारीय कार्यक्रम के तहत हुआ। पाक कला प्रतियोगिता में छात्राओं ने बिना गैस का उपयोग किए विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन तैयार किए।

शराब के लिए रूपए नहीं देने पर बेटे ने की मां की हत्या

- शराबी बेटे ने लाठी-डंडों से पीटकर की हत्या, मां के शव को नहर में फेंककर हुआ फरार

हनुमानगढ़, (कासं)। एक बेटे ने अपनी मां का मर्डर कर शव को नहर में फेंक दिया। मां की हत्या के बाद बेटा मौके से फरार हो गया।

मामला जिले के संगरिया थाना क्षेत्र के कीकरवाली गांव का है। नशे में आरोपी बेटे महेन्द्रपाल (35) ने अपनी ही मां द्रोपती देवी (55) की हत्या की थी। मां का शव 20 किलोमीटर दूर एमएमके नहर में मिला। प्रांरभिक जानकारी में सामने आया कि आरोपी बेटे ने शराब के लिए मां से रूपए मांगे थे। इस पर मां ने रूपए देने से मना कर दिया। इसी से वह गुस्सा हो गया और मां की हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के घर को अपने कब्जे में लेकर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी में सामने आया कि आरोपी बेटे की मां द्रोपती देवी मजदूरी करके मुश्किल से पैसे कमाती थी। महेन्द्रपाल भी मजदूरी करता था मगर वह अपने सारे पैसे शराब और जुए में उड़ा देता था। इसके बाद वह मां से पैसों के लिए मारपीट करता था।

द्रोपती देवी ने अपनी छोटी बहन सरोज को फोन कर बताया था कि महेंद्र उससे झगड़ा कर मारपीट कर रहा है। सरोज ने पुलिस को बताया कि जब उसकी बहन ने फोन किया तो उसकी चीखें लगातार सुनाई दे रही थी। द्रोपती देवी घरेलू हिंसा के कारण हर बार पैसे दे देती थी। मगर इस बार पैसे देने से मना करने पर बेटे ने नशे और गुस्से में आकर मां की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

सुबह महिला के भाई मदनलाल (निवासी वार्ड-33, हनुमानगढ़ टाउन) को घटना का पता चला। उन्होंने तुरंत संगरिया थाने में भांजे महेन्द्रपाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया। महेन्द्रपाल नशे का आदी था और मजदूरी करता था। द्रोपती देवी का एक बेटा पहले ही गुजर चुका था। इसलिए वह अकेले इसी बेटे के साथ रहती थी। थाना प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि महेन्द्रपाल ने अपनी मां द्रोपती देवी पर लाठी से बेरहमी से हमला किया जिससे उनकी जान चली गई। महिला के शरीर पर गहरी चोटों के निशान मिले है। हत्या के बाद महेन्द्रपाल ने रात में शव को एमएमके नहर में फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। महिला का शव सादुलशहर क्षेत्र के खाराचक गांव में नहर से करीब 20 किलोमीटर दूर बरामद हुआ है।

बोलेरो से 180 किलो डोडा पोस्त पकड़ा

नोखा, (कासं)। पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 180 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। यह कार्रवाई डीएसटी की सूचना पर की गई।

पुलिस ने रोड़ा गांव के पास एक खाली जमीन पर लावारिस खड़ी एक बोलेरो गाड़ी से यह मादक पदार्थ जब्त किया। बोलेरो में 9 कट्टों में डोडा पोस्त भरा हुआ था। बताया जा रहा है कि गाड़ी का टायर पंचर होने के कारण वह सुनसान जगह पर खड़ी थी। वहां पर कोई नहीं मिला। बीकानेर जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह के निर्देश पर नोखा सीआई अरविंद भारद्वाज के नेतृत्व में टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

डीएसटी से मिली विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने लावारिस बोलेरो को जब्त कर नोखा थाने ले आई है व मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पांचू सीआई राजीव रॉयल करेंगे।

बैंक का स्ट्रांग रूम नहीं खुला तो बंदूक ले गए

- बज्जू थाना क्षेत्र में बीकमपुर ब्रांच एसबीआई बैंक में ताला तोड़ घुसे चोर, बंदूक व 27 कारतूस भी ले गए

बीकानेर, (कासं)। देर रात एक चोर ने एसबीआई बैंक से बंदूक और कारतूस चोरी कर ले गया। मामला बज्जू थाना क्षेत्र बीकमपुर ब्रांच का है।

जानकारी में सामने आया कि चोर रूपए चोरी करने आया था। लेकिन जब वो रूपए नहीं ले जा सका तो यहां रखी 12 बोर की बंदूक और 27 कारतूस चोरी कर ले गए। वारदात के बाद ब्रांच मैनेजर शिवा पांडे की ओर से बज्जू थाना में मामला भी दर्ज करवाया गया है। वहीं इस पूरी घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। ब्रांच मैनेजर की ओर से दी रिपोर्ट में बताया कि चोर ब्रांच के पीछे की तरफ से आए थे। इसके बाद उन्होंने ब्रांच के बाहर लगे ग्रिल गेट और शटर को तोड़ा और अंदर घुसे।

इसके बाद चोर कैश रूम की तरफ गया। यहां कैश रूम का ग्रिल तोड़ अंदर घुसे। इसके बाद स्ट्रांग रूम खोलने का प्रयास किया लेकिन वे रूपए चोरी नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि बैंक में घुसने के बाद चोर ने अंदर लगाये कैमरों को भी बंद कर दिया। जब वे रूपए चोरी नहीं कर पाए तो स्ट्रांग रूम में रखी बंदूक और कारतूस चोरी कर ले गया। ब्रांच मैनेजर की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इसकी जांच एसआई मनीराम गोदारा को सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है।

होद में डूबने से महिला की मौत

- मृतका की पहचान संतोष कंवर के रूप में हुई है, जो मूल रूप से चूरू जिले के सांडवा थाना क्षेत्र के गांव ईयारा की निवासी थी

नोखा, (कासं)। पानी के होद में गिरने से शुक्रवार को 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना सुबह करीब 6 बजे वार्ड नंबर 43 स्थित तेजाजी मंदिर के पास हुई। मृतका की पहचान संतोष कंवर के रूप में हुई है, जो मूल रूप से चूरू जिले के सांडवा थाना क्षेत्र के गांव ईयारा की निवासी थी।

मृतका के पति खींवसिंह राजपूत, जो सेना से सेवानिवत हैं ने नोखा थाने में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि संतोष कंवर सुबह घर में बने पानी के होद से पानी निकाल रही थीं। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे होद में गिर गई, जिससे उनकी डूबकर मौत हो गई।

खीवसिंह और उनकी पुत्रवधू जब सुबह जागे तो संतोष कंवर घर में नहीं मिली। तलाश करने पर उन्होंने पानी के होद के पास उनकी चप्पलें देखीं और होद का ढक्कन खुला पाया। होद के अंदर देखने पर संतोष कंवर पानी में डूबी हुई मिली। साथ ही बाल्टी भी पानी में डूबी हुई थी। खीवसिंह ने तुरंत कन्हैयालाल ब्राह्मण की मदद से संतोष कंवर को होद से बाहर निकाला।

मृत सांड के शव को खेत में फेंकने से रोष

नोखा, (कासं)। नोखा में भारत माला परियोजना के तहत निर्मित नेशनल हाईवे एनएच 754 ए के चेनेज नंबर 11 प्लस 150 पर एक सांड की वाहन की टक्कर से मौत हो गई। मृत सांड के शव को खेत में फेंकने से ग्रामीणों में रोष है।

ग्रामीण बजरंग लाल उपाध्याय ने आरोप लगाया है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कर्मचारियों ने मृत सांड को पास ही स्थित देसलसर के एक के खेत में फेंक दिया।

इससे वहां दुर्गन्ध फैल रही है। एनएचएआई कर्मचारियों की इस लापरवाही से क्षेत्र में भारी विरोध हो रहा है। संबंधित खेत के किसान और आसपास के ग्रामीण इस घटना से आक्रोशित हैं।

हवा का एक्यूआई 196 पहुंचा, मास्क पहनने की सलाह दी

- एक्यूआई में बढ़ोतरी के मुख्य कारण है आसपास की फैक्ट्रियों का धुआं, वाहनों का प्रदूषण, दीपावली के बाद बढ़ा धुआं और मौसम में ठंडक, जिससे प्रदूषक जमीन के पास जम जाते हैं

बीकानेर, (कासं)। सर्दी लगातार तेज होती जा रही है। पिछले एक सप्ताह से न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर जारी है। वहीं हवा की गुणवत्ता भी खराब श्रेणी में पहुंच गई है।

मौसम में बढ़ती ठंड और खराब होती वायु-गुणवत्ता ने लोगों की दिक्कतें बढ़ा दी हैं। बीकानेर में पिछले सात दिनों से अधिकतम तापमान लगभग 30 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम 13 डिग्री के आसपास दर्ज हो रहा है। बीती रात पारा गिरकर 12.8 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार नवम्बर के तीसरे और चौथे सप्ताह में यह 10 डिग्री या उससे नीचे जा सकता है। रात से सुबह 8-9 बजे तक सर्दी सबसे ज्यादा महसूस की जा रही है। दोपहर में तापमान फिर से बढ़कर 30 डिग्री तक पहुंच जाता है, जिससे दिन गर्म और रातें ठंडी हो रही हैं। बीकानेर में वायु गुणवत्ता चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। शुक्रवार को एक्यूआई 196 दर्ज हुआ, जबकि गुरूवार को यह 142 था। दीपावली के बाद से एक्यूआई लगातार खराब श्रेणी में बना हुआ है और त्यौहार वाले दिन यह 250 से ऊपर चला गया था। बच्चों, बुजुर्गों और सांस-दिल के मरीजों को बाहर निकलते समय सावधानी बरतनी चाहिए और हल्की गतिविधियों में भी मास्क पहनने की सलाह दी गई है। एक्यूआई में बढ़ोतरी के मुख्य कारण है आसपास की फैक्ट्रियों का धुआं, वाहनों का प्रदूषण, दीपावली के बाद बढ़ा धुआं और मौसम में ठंडक, जिससे प्रदूषक जमीन के पास जम जाते हैं। माना जा रहा है कि इन वजहों से शहर में हवा लगातार बिगड़ रही है।

श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी व कलेक्टर और एडीएम में बहस

- रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में गंगासिंह चौक पर विधायक 10:35 बजे पहुंच गए थे लेकिन जब उन्हें यहां कलेक्टर डॉ. मंजू और एडीएम सुभाषचंद्र नहीं दिखे तो नाराज हो गए

श्रीगंगानगर, (कासं)। विधायक जयदीप बिहाणी कलेक्टर डॉ. मंजू और एडीएम सुभाषचंद्र पर भड़क गए। एडीएम से बोले घर जाओ, निकलो यहां से घर क्यों नहीं जायेगा। तेरी औकात है क्या, जो मेरे को कह दे कि यहां नहीं रहना चाहता। इसके बाद बिहाणी कलेक्टर से भी उलझ गए। बोले एमएलए क्या होता है समझ लेना। प्रोटोकॉल में आपका सीएस भी खड़ा होता है मेरे सामने।

मामला श्रीगंगानगर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी का है। कार्यक्रम सुबह 10.15 बजे का था। आयोजन स्थल नगर परिषद के पास गंगासिंह चौक पर विधायक 10:35 बजे पहुंच गए थे। लेकिन जब उन्हें यहां कलेक्टर डॉ. मंजू और एडीएम सुभाषचंद्र नहीं दिखे तो नाराज हो गए। हालांकि अधिकारियों का दावा था कि वे कार्यक्रम स्थल पर पहले से मौजूद थे। विवाद इतना बढ़ा कि बिहाणी ने जब एडीएम से जाने को कहा तो वे बोले- मैं यहां रहना चाहता भी नहीं हूं। मेरा ट्रांसफर कर दो।

पूरे मामले का 2 मिनट 3 सैकंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें कलेक्टर, एडीएम और विधायक के बीच की बहस है। कार्यक्रम के बाद विधायक ने मीडिया से कहा कि मैं सड़क छाप राजनीतिज्ञ नहीं हूं। राजनीति मेरा शौक है, मेरा पेशा नहीं है। पेशेवर राजनीतिज्ञ इनके चाटुकार होंगे। मुझे जनता की सेवा के लिए चुना गया है। दो साल में जो भी काम करवाए हैं, वह जनता के लिए करवाए हैं। जनता के लिए मैं बोलूंगा।

इसके बाद कलेक्टर ने उन्हें समझाने की कोशिश की तो बिहाणी ने कहा कि मैडम में सवा 10 बजे आया हूं। मैं ये बात नहीं कह रहा, ये एडीएम कह रहा है कि मैं यहां नहीं रहता चाहता। किससे परेशान है, ये बताएं। मामले को लेकर विधायक बिहाणी ने कहा कि आज दो कार्यक्रम थे। महाराज गंगासिंह चौक से होने वाला कार्यक्रम प्रशासन की ओर से था। सवा 10 बजे का समय था और मैं 10:30 बजे वहां पहुंचा। उस समय तक कोई अधिकारी वहां नहीं था।

सरदार पटेल और मंच के पास भी कोई नहीं था। मैं वहां गया मैंने सरदार पटेल और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि दी। इस दौरान बच्चे भी थे और वे परेशान भी हो रहे थे। इसी दौरान एडीएम सुभाषचंद्र भी वहां आ गए। मैंने एडीएम से पूछा कि प्रोटोकॉल नाम की भी कोई चीज होती होगी। इस पर एडीएम ने कहा कि साहब मैं तो यहां से दुखी हो गया, मेरा ट्रांसफर करवा दो। मैंने कहा मैं क्यों ट्रांसफर करवा दूं। आप खुद लिखकर दे दो और ट्रांसफर ले लो कि मैं गंगानगर नहीं रहना चाहता। इस बात को लेकर एडीएम ने बहस की। वीडियो बना रहे लोगों से कहा कि जाओ यहां से बंद करो, निकलो अपने घर।

बिहाणी ने बताया कि तब कलेक्टर आई और बोली कि मैं आधे घंटे से यहां थी। यदि वे वहां पर थी तो सीसीटीवी चैक करें कि वे कहां पर थी और कहां नहीं। जब ये प्रशासनिक कार्यक्रम है तो ये सरदार पटेल का अपमान है कि अधिकारी केवल फॉर्मेल्टी पूरी कर रही है। बिहाणी ने कलेक्टर से ये ही पूछा कि एडीएम किस बात से दुखी है। इस पर कलेक्टर ने मुझे कहा कि हाथ नीचे रखकर बात कीजिए। सभी को पता है कि कलेक्टर कितनी सभ्यता से बात करती हैं। मीडिया वाले भी कलेक्टर ऑफिस में जाने से डरते हैं। बिहाणी ने कलेक्टर कहा कि आप प्रोटोकॉल भूल गए हैं, क्या याद दिलवाना पड़ेगा।

विधायक बोले कि मुझे लगता है कि जिला प्रशासन के अधिकारी भाजपा के कार्यकर्ताओं से तमीज से पेश नहीं आते। ये पार्टी को नुकसान करने आए हैं या जनता की सेवा करने आए हैं, ये अभी तक समझ नहीं आई। कलेक्टर के बारे में इनके अधिकारी से जानकारी लेंगे तो पता चल जायेगा।

पाठ्य सामग्री व स्वेटर वितरित

नोखा, (कासं)। इंदिरा कॉलोनी स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सरस्वती संस्कार केन्द्र में अनुभूति सेवा संस्थान नोखा की ओर से बालिका शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 32 बालक-बालिकाओं को गर्म स्वेटर, पाठ्य सामग्री, थैले, जूते-जुराब और फल-मिठाई वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया।

मुख्य अतिथि महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि बालिकाओं को शिक्षित किए बिना हम एक विकसित राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकते। उन्होंने बालिका शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

संस्थान की सदस्या जयश्री भूरा ने कहा कि एक शिक्षित बालिका देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए उनका शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। संस्थान की सदस्या जयश्री भूरा ने बताया कि समाजसेविका सरोज मरोठी की प्रेरणा से यह सामग्री वितरित की गई।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 05.11.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 29 के किला नं. 6, 15 में भूखण्ड माप 30 इन्टू 60 फीट भूखण्ड संख्या 06, श्रीगंगानगर का पटटा संख्या 8403 दिनांक 24.12.2009 को श्री भागीरथ गुप्ता पुत्र स्व. श्री राम कुमार गुप्ता के नाम से जारी किया हुआ है। श्री दक्ष जिंदल पुत्र श्री राकेश जिंदल निवासी मन. 15 माया विहार, नजदीक सेक्रेड हार्ट स्कूल, श्रीगंगानगर द्वारा उक्त भूखण्ड को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 04.08.2025 को क्रय कर, स्वामित्व के दस्तावेज एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पटटा एवं अन्य दस्तावेजों का समर्पण कर उक्त भूखण्ड का फ्री होल्ड पटटा पटटा जारी करने हेतु आवेदन किया है। अतः उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पटटा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। Rajkaj Ref. No. 18489767 **- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

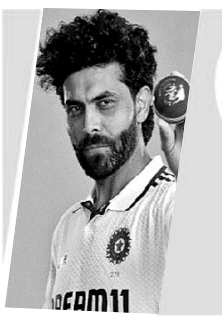

राजस्थान रॉयल्स ने मुझे पहला मंच दिया और पहली जीत का स्वाद भी चखाया था। टीम में लौटना घर लौटने जैसा है।
- रविन्द्र जडेजा

भारतीय क्रिकेटर, राजस्थान रॉयल्स टीम में चयन होने पर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

अमन सहरावत

भारतीय कुश्ती महासंघ ने अमन सहरावत पर लगाया गया एक साल का निलंबन वापस ले लिया है, क्योंकि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता इस साल की शुरुआत में विश्व चैंपियनशिप में अपने इवेंट के दौरान अधिक वजन के पाए गए थे। अनुशासन समिति की सिफारिशों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, डब्ल्यूएफआई अमन और नेहा पर लगाया गया निलंबन हटाता है। समिति ने सिफारिश की कि उन्हें एक अवसर दिया जाए और महासंघ उनके प्रति नरम रुख अपनाने पर विचार कर सकता है।"इस फैसले के बाद, दोनों पहलवान दिसंबर में अहमदाबाद में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप और अगले साल होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेने के योग्य हो गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम के रिकॉर्ड में श्रीलंका के खिलाफ 168 मैचों में से 99 में जीत दर्ज की है, जो किसी एक टीम के खिलाफ उनकी सबसे ज़्यादा जीत है।

विकेटों के पतझड़ के बीच भारत को मिली जीत की सुगंध

कोलकाता, 15 नवंबर। रवींद्र जडेजा (चार विकेट) और कुलदीप यादव (दो विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारत ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के दूसरी पारी में 93 पर सात विकेट झटक कर मैच में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। दक्षिण अफ्रीका अभी 63 रनों से आगे है और उसके तीन विकेट बाकी हैं।

भारत को पहली पारी में 189 रन पर समेटने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की एक बार फिर शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह भारतीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण के आगे बेबस नजर आया। लेफ्टआर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने 29 रन पर चार लेकर मेहमान टीम को झकझोर दिया। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने 12 रन पर दो विकेट निकाले। लेफ्टआर्म स्पिनर अक्षर पटेल को 30 रन पर एक विकेट मिला।

दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में कप्तान टेम्बा बावुमा ने सर्वाधिक नाबाद 29 रन बनाये। रायन रिकलटन (11), वियान मुल्डर (11) और मार्को यानसन (13) ही दहाई की संख्या में पहुंच सके। स्टंप्स के समय बाबुमा के साथ कॉर्बिन बॉश एक रन बनाकर क्रीज पर थे। मैच के दूसरे दिन कुल 15 विकेट गिरे और भारत को इस मुकाबले में जीत की सुगंध नजर आने लगी है।

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 189 रन बनाकर 30 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। भारत ने कल के एक विकेट पर 37 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत का दूसरा विकेट 75 रन के स्कोर पर वाशिंगटन सुंदर के रुप में गिरा। उन्हें साइमन हार्मर ने आउट किया। इसके बाद केशव महाराज ने केएल राहुल 39 रन को आउट किया। ऋषभ पंत (27 रन) को कॉर्बिन बॉश ने अपना शिकार बनाया। 49वें ओवर में हार्मर ने धुव जुरेल (14) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। उन्होंने रवींद्र जडेजा (27) को भी अपना शिकार बनाया। इस दौरान मैच में आक्रामक बल्लेबाजी और धैर्यपूर्ण डिफेंस का मिश्रण देखने को मिला।

राहुल ने केशव महाराज की गेंद पर एक छक्का और कई चौके लगाए, जबकि पंत शानदार फॉर्म में थे और आउट होने से पहले उन्होंने दो छक्के और इतने ही चौके लगाए। सुंदर ने भी अपनी पहुंच और टाइमिंग का अच्छा इस्तेमाल करते हुए एक छक्का और दो चौके लगाकर प्रभावित किया। भारत का सातवां विकेट कुलदीप यादव (एक) का विकेट 172 के स्कोर पर गिरा। उन्हें मार्को यानसन ने आउट किया। मोहम्मद सिराज (एक) को भी यानसन ने अपना शिकार बनाया। 63वें ओवर की दूसरी गेंद पर साइमन हार्मर ने अक्षर पटेल (16) को आउटकर नौ विकेट पर 189 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया।

इससे पहले शुभमन गिल स्वीप शॉट लगाने के प्रयास में 79/2 के स्कोर पर चोटिल होकर पवेलियन लौट गये थे और वह दोबारा बल्लेबाजी करने मैदान पर नहीं उतरे। दक्षिण अफ्रीका के लिए साइमन हार्मर ने चार विकेट लिये। मार्को यानसन को तीन विकेट मिले। कॉर्बिन बॉश और केशव महाराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए

कोलकाता, 15 नवम्बर । भारतीय कप्तान शुभमन गिल कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के सुबह के सत्र में गर्दन में ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। बीसीसीआई ने शनिवार दोपहर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है। गिल ड्रिंक्स ब्रेक के ठीक बाद बल्लेबाजी करने आए जब साइमन हार्मर ने वाशिंगटन सुंदर को आउट किया। दाएं हाथ के स्पिनर ने भारत के चौथे नंबर के बल्लेबाज को राउंड द स्टंप्स से गेंदबाजी जारी रखी, जिन्होंने पहली गेंद पर डिफेंस किया और फिर अगली गेंद पर स्लॉग स्वीप किया। उन्होंने अच्छी तरह से गेंद को हिट किया और अपना पहला चौका भी लगाया, लेकिन शॉट लगाने के तुरंत बाद ही वह असहज महसूस करने लगे। फ़िज़ियो गिल को देखने आए, जिन्होंने अपनी गर्दन के पिछले हिस्से को पकड रखा था और अपना सिर खुलकर नहीं हिला पा रहे थे। त्वरित जांच के बाद, गिल रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए, और उनकी जगह ऋषभ पंत मैदान पर आए। वह भारत की पहली पारी के दौरान पूरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं लौटे, जो अगले डेढ़सत्र में 189/9 पर समाप्त हुई - 30 रनों की बढ़त के साथ। बीसीसीआई ने कहा कि आज (शनिवार) उनके खेल में भाग लेने पर भी मेडिकल स्टाफ की निगरानी रहेगी।

ऋषभ पंत ने टेस्ट में सहवाग का रिकॉर्ड तोडा, बने भारत के सबसे बडे सिक्सर किंग!

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोडते हुए टेस्ट मैचों में भारत के सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाडी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है ! उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहले टेस्ट के दूसरे दिन 24 गेंदों पर 2 छक्के लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत अब 92 छक्कों के साथ शीर्ष पर हैं, उनके बाद सहवाग (90), रोहित शर्मा (88), रवींद्र जडेजा (80) और एमएस धोनी (78) का नंबर आता है। वह इंग्लैंड के बेन स्टोक्स (136) के बाद विश्व स्तर पर भी सातवें स्थान पर हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी से चयन कमेटी ने मुलाकात कर चर्चा की

जयपुर, 15 नवंबर। आज आरसीए ऑफिस , आरसीए अकादमी पर बीसीसीआई के आगामी मैचों में भाग लेने वाली राजस्थान की पुरष- महिला टीमों के चयन हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा बहुमत से घोषित आरसीए चयन कमेटी (पुरष- वीमन) ने आरसीएएडहॉक कमेटी द्वारा नियुक्त आरसीएपुरुष- महिला चयन कमेटी ऑब्जर्वेशन कमेटी सदस्यों, आरसीएएडहॉक कमेटी सदस्यों पिंकेश पोरवाल, आशीष तिवाडी की उपस्तिथि में विशेष रूप से राजस्थान की विभन्न पुरष - महिला टीमों की बीसीसीआई की राष्ट्रिय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन सहित सभी महत्वपूर्ण विषयों पर मुलाकात कर गहन चर्चा की।

7 वर्षीय श्रेयांशी ने राज्य की वरिष्ठ शतरंज चैंपियन को चौंकाया

जयपुर, 15 नवंबर 2025 - राजस्थान राज्य जूनियर शतरंज टूर्नामेंट, जिसका आयोजन चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा जयपुर जिला शतरंज संघ और राजस्थान शतरंज संघ के तत्वावधान में वीकेआईए रिक्रिएशन क्लब में किया जा रहा है, अत्यधिक रोमांच के साथ शुरू हुआ है। राउंड 2 में हुए एक सनसनीखेज उलटफेर ने राज्य के शतरंज जगत का ध्यान तत्काल अपनी ओर खींच लिया है। यह गौरव विशेष रूप से 7 वर्षीय उभरती हुई सितारा श्रेयांशी जैन को जाता है। युवा प्रतिभा, जिन्होंने हाल ही में प्रतिष्ठित एशियाई स्कूल शतरंज टूर्नामेंट अंडर-7 रैपिड श्रेणी में स्वर्ण पदक हासिल किया था, उन्होंने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए मजबूत खिलाडी दक्षीता कुमावत, जो कि राजस्थान राज्य सीनियर चैंपियन 2025 हैं, को पराजित कर दिया। श्रेयांशी ने राउंड 2 के एक बेहद कडे मुकाबले में यह शानदार जीत हासिल करने के लिए असाधारण कौशल और उल्लेखनीय धैर्य का प्रदर्शन किया। एक अनुभवी चैंपियन पर यह जीत एक शक्तिशाली बयान है, जिसने तुरंत माहौल को विद्युतीकृत कर दिया है और श्रेयांशी को देखने लायक प्रतिभा के रूप में चिह्नित किया है। टूर्नामेंट को उल्लेखनीय ध्यान मिल रहा है, जिसमें 16 जिलों का प्रतिनिधित्व करते हुए 70 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाडी भाग ले रहे हैं, जो इस आयोजन के प्रतिस्पर्धी स्तर को उजागर करता है।

अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी राजस्थान ने दिल्ली को हराया

करण लाम्बा, मुकुल चौधरी के शानदार शतक

जयपुर, 15 नवम्बर । अहमदाबाद में खेली जा रही अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी में आज राजस्थान ने दिल्ली को हराया। राजस्थान की जीत में करण लाम्बा, मुकुल चौधरी के शतक व चेतन शर्मा

राजस्थान पारी 330 / 6- राजस्थान टीम ने शुरूआती झटकों से उबरते हुए करण लाम्बा व मुकुल चौधरी के शानदार शतकों की सहायता से 6 विकेट के नुकसान पर 330 रनो का विशाल स्कोर बनाया। दोनों ने पांचवे विकेट के लिए ताबडतोड 186 रनो की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत किया।

टीम के लिए करण लाम्बा नाबाद 125 रन (113 गेंद , 11 चोक्के व 4 छक्के) तथा मुकुल चौधरी 121 रन (79 गेंद , 7 चोक्के व 9 छक्के) , रोहन राजभर 39 व चेतन शर्मा नाबाद 15 रनो का योगदान दिया।दिल्ली के गेंदबाज रजनीश 68 / 2 व अमन 77 / 2 विकेट। दिल्ली पारी 193 आल आउट।टीम के लिए देव 53 रन। राजस्थान के गेंदबाज चेतन शर्मा 43 / 3 , मोहित चांगरा 38 / 3 , नीलेश टांक 38 / 2 व दीपेंद्र , अनिरुद्ध 1 - 1 विकेट।

अंडर 19 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी - प्रिया यादव का शतक , तनिका शर्मा ,तानिया शर्मा ,अंशु , सुरभि , मुस्कान , रोज़ा , धृति , कनिष्का , माहि की बढ़िया बल्लेबाजी। वंशिका सिंधल , पर्ल बामनावत , हृतिका , मानवी , प्रीति ज्योयी की शानदार गेंदबाजी **पहला मैच** टीम डी - टीम सी (टीम सी जीती) टीम डी पारी 89 आल आउट। टीम के लिए अनुष्का 18 रन। टीम सी की गेंदबाज वंशिका सिंदल 17 / 6 व हृतिका 14 / 3 विकेट। टीम सी पारी 90/ 1, टीम के लिए अंशु 46 व भूमिका 24 रन। **दूसरा मैच** टीम जी - टीम एच (टीम एच जीती) टीम जी पारी 99 आल आउट। टीम के लिए नीतू 22 , कनिष्का 19 व प्रियांशी 18 रन।टीम एच की गेंदबाज पर्ल बामनवत 12 / 5 , मानवी 12 / 3 विकेट। टीम एच पारी 100 / 3, टीम के लिए वृंदा शर्मा नाबाद 30 , सुरभि 29 व मुस्कान नाबाद 26 रन। **तीसरा मैच** टीम एफ - टीम ई (टीम एफ जीती) टीम एफ पारी 108 आल आउट।टीम के लिए रोज़ा 34 , धृति 22 व रुतबा 15 रन। टीम ई की गेंदबाज मायना 13 / 4, संजू , वध्या 2 - 2 विकेट।टीम ई पारी 91 आल आउट।टीम के लिए कनिष्का 23 , माहि 22 व तानिया शर्म 14 रन, टीम एफ की गेंदबाज ज्योति 11 / 3 विकेट। **चौथा मैच** टीम ऐ - टीम बी (टीम बी जीती)टीम ऐ पारी 185 आल आउट।टीम के लिए प्रिय यादव 127 रनो की शानदार शतकीय पारी खेली।टीम बी की गेंदबाज प्रीति 33 / 3 विकेट। टीम बी पारी 188 / 6, टीम के लिए तनिका शर्मा नाबाद 104 ,श्रिष्टि 35 रन, टीम ऐ की गेंदबाज कनिष्का 42 / 2 विकेट।

पाकिस्तान ने जीती सीरीज

रावलपिंडी, 15 नवम्बर । पाकिस्तान ने रावलपिंडी में दूसरे वनडे में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज अपने नाम कर ली। यह मैच पहले गुरुवार को होना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। मेहमान टीम को 288 रनों पर रोकने के बाद, बाबर आजम के शतक (नाबाद 102) और फखर जमान (78) के अर्धशतक की बदौलत पाकिस्तान ने आसानी से यह लक्ष्य हासिल कर लिया।

कल होगा सांसद खेल महोत्सव का दिव्य एवं भव्य शुभारंभ

जयपुर, 15 नवंबर। जयपुर शहर में सांसद खेल महोत्सव- 2025 के तहत 7 खेल मैदानों पर 17 नवंबर से 25 नवंबर तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। सोमवार, 17 नवंबर को सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर हॉल में सांसद खेल महोत्सव- 2025 का शुभारंभ होगा। जयपुर के चौगान स्टेडियम, आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान, भवानी निकेतन महाविद्यालय, विद्याधर नगर स्टेडियम, प्रताप नगर स्थित जानकी देवी विद्यालय एवं रेल्वे स्टेडियम में कबड्डी, वॉलीबॉल, दौड़ सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा जिसमें हजारों खेल प्रतिभाएं अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगी। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए पुलिस विभाग, नगर निगम, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कॉलेज शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी है। सांसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर-उत्तर मुकेश कुमार मूंड को प्रभारी अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी जयपुर दक्षिण अरुण कुमार शर्मा को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

राज्य जूनियर हैंडबॉल में जयपुर की लडकियां चैंपियन

लडकियों में सर्वश्रेष्ठ खिलाडी रही जयपुर की नोरती कुमारी मेवाडा

जयपुर, 15 नवंबर। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में जिला हैंडबॉल संघ करौली द्वारा आयोजित 42वी राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका)- 2025-26 में जयपुर बालिका वर्ग में चैंपियन रही। जबकि बालक वर्ग में तीसरे स्थान पर रही। शुक्रवार को श्रीमहावीर जी (करौली) में संपन्न प्रतियोगिता में बालक वर्ग में श्रीगंगानगर विजेता, आरएसएससी बालक अकादमी जैसलमेर उपविजेता रही। वही बालिका वर्ग में श्रीगंगानगर उपविजेता तथा आरएसएससी बालिका अकादमी जयपुर तीसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बालक खिलाडी श्रीगंगानगर का दीक्षांत रहा एवं बालिका खिलाडी की सर्वश्रेष्ठ खिलाडी जयपुर की नोरती कुमारी मेवाडा, जिन्हें राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से स्व. लोकेंद्र सिंह गौड तथा स्व. इंजि. तनराम मेघवाल की स्मृति में 2100-2100 रू. के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक करौली लोकेश सोनवाल थे। जबकि अध्यक्षता राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी महेंद्र शर्मा, कृपा बाबा हैंडबॉल अकैडमी के अध्यक्ष कैप्टेन टीआर कसाना, श्रीमहावीर जी थानाधिकारी गिरिराज प्रसाद थे।

सनातन विचार ही है एकात्म मानव दर्शन : डॉ. मोहन भागवत

स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत दीनदयाल स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम में शामिल हुए

डॉ. मोहन भागवत ने जयपुर में एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान विचार व्यक्त किए।

जयपुर। सनातन विचार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश, काल, स्थिति के अनुसार एकात्मक मानव दर्शन का नया नाम देकर लोगों के समक्ष रखा। यह विचार नया नहीं है किंतु 60 वर्ष बाद भी वर्तमान समय में यह एकात्मक मानव दर्शन पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक है। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने

- **कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ प्रेमचंद बेरवा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मदन राठौड़, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, राज्यवर्धन राठौड़,सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे**

आज जयपुर में एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

डॉ मोहन भागवत ने कहा कि एकात्मक मानव दर्शन को एक शब्द में समझना है तो वह शब्द है धर्म। इस धर्म का अर्थ रिलिजन, मत, पंथ, संप्रदाय नहीं है। इस धर्म का तात्पर्य गंतव्य से है, सब की धारणा करने वाला धर्म है। वर्तमान समय में दुनिया को इसी एकात्म मानव दर्शन के धर्म से चलना होगा।

डॉ मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय जब भी बाहर गए किसी को लूटा नहीं, किसी को पीटा नहीं, सबको सुखी किया।

भारत में भी पिछले कई दशकों में रहन-सहन, खानपान, वेशभूषा सब बदला होगा, किंतु सनातन विचार नहीं बदला। वह सनातन विचार ही एकात्म मानव दर्शन है और उसका आधार यह है कि सुख बाहर नहीं हमारे भीतर ही होता है। हम अंदर का सुख देखते हैं तब समझ में आता है कि पूरा विश्व एकात्म है। इस एकात्म मानवदर्शन में अतिवाद नहीं है।

शरीर, मन, बुद्धि की सत्ता की बात करते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता की भी मर्यादा है। सबका हित साधते हुए अपना विकास करना यह वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में अनेक बार आर्थिक उठापटक होती हैं लेकिन भारत पर इसका असर सबसे कम होता है क्योंकि भारत के अर्थतंत्र का आधार यहां की परिवार व्यवस्था है।

डॉ मोहन भागवत ने कहा कि वर्तमान में विज्ञान की प्रगति चरम पर जा रही है। विज्ञान के आधार पर सबका जीवन भौतिक सुविधाओं से संपन्न हो, ऐसे प्रयास हो रहे हैं लेकिन क्या मनुष्य के मन में शांति और संतोष भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान की प्रगति के कारण बहुत सी नई दवाइयां बनी है, किंतु क्या स्वास्थ्य पहले की तुलना में अधिक ठीक हुआ है। कुछ बीमारियों का तो कारण ही कुछ दवाइयां हैं।

डॉ मोहन भागवत ने कहा कि वैश्विक स्तर पर केवल चार प्रतिशत जनसंख्या 80 संसाधनों का उपयोग उपयोग करती है। विकसित और अविकसित में भेद बढ़ रहा है।

डॉ मोहन भागवत ने कहा कि हमारे यहां प्रारंभ से ही अनेक विषयों में विविधता रही है लेकिन हमारे यहां की विविधता कभी झगड़े का कारण नहीं बनी अपितु हमारे यहां की विविधता उत्सव का विषय बनी। हमारे यहां पहले से अनेक देवी देवता थे कुछ और भी आ गए तो हमें कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने कहा कि दुनिया यह तो जानती है कि शरीर, बुद्धि और मन का सुख होता है लेकिन उसे एक साथ कैसे प्राप्त किया जाए, यह दुनिया नहीं जानती। यह केवल भारत जानता है।

मोहन भागवत ने गोविंद देवजी के दर्शन किए

जयपुर। पावन उत्पन्ना एकादशी के अवसर पर गोविंद धाम ठिकाना मंदिर गोविंद देवजी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शनिवार को ठाकुर राधा गोविंद देवजी महाराज के दर्शन करने राजभोग झांकी में पहुंचे। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष श्रद्धा एवं भक्तिभाव का माहौल रहा। मंदिर के श्रीमन्माध्व गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज ने भागवत का चौखट पूजन करवाया। इसके बाद ठाकुर श्रीजी की ओर से आशीर्वाद स्वरूप उन्हें शॉल,दुपट्टा, प्रसाद, ठाकुर श्रीजी की छवि एवं गोविंद धाम शिव मंदिर का लघु स्वरूप भेंट किया गया। महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने मंदिर के इतिहास,परंपरा और महत्व की जानकारी भी उन्हें विस्तार से प्रदान की। उन्होंने मोहन भागवत द्वारा किए जा रहे सनातन धर्म के विभिन्न सेवा कार्यों के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा हिंदू राष्ट्र परिकल्पना के आवाहन का संदेश भी प्रकट किया। इस दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे और भावपूर्ण वातावरण में उत्सव संपन्न हुआ।

जयपुर में 45 स्थानों से हटाया अतिक्रमण

जयपुर। नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर शनिवार को शहर में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। उपायुक्त सतर्कता पार्ट 2 पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में निगम की विशेष टीम ने सुबह से ही बाजारों और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर सघन कार्रवाई शुरू की। अभियान का उद्देश्य, शहर की सड़कें मुक्त कराना, यातायात सुधारना और बाजार क्षेत्रों में पैदल आवाजाही को सुगम बनाना था।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
राजस्थान सरकार का उपक्रम
RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक विकास के खुल रहे नये द्वार आप भी बनें भागीदार

सरल ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन

आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

61 कुल औद्योगिक क्षेत्र | 322 कुल भूखण्ड | 311 औद्योगिक भूखण्ड | 11 लॉजिस्टिक भूखण्ड

उपरोक्त औद्योगिक क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 लागू नहीं है

ईएमडी: प्रारम्भ तिथि: 17 नवम्बर, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 01 दिसम्बर, 2025 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 02 दिसम्बर, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 04 दिसम्बर, 2025 (सायं 05:00 बजे)

33	आबू रोड़	09	चूरू	34	नागौर	09	उदयपुर
21	अजमेर	10	बीकानेर	07	पाली	03	जयपुर (दक्षिण)
02	अलवर	14	श्रीगंगानगर	26	झालावाड़	01	जयपुर (उत्तर)
07	भिवाड़ी-I	22	किशनगढ़	01	जालोर	28	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
14	भिवाड़ी-II	16	भीलवाड़ा	14	राजसमंद	01	जोधपुर
08	बोरानाडा	01	जयपुर (ग्रामीण)	20	कोटा	05	सवाईमाधोपुर
09	घिलोठ	04	भरतपुर	03	नीमराना		

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
रीको की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ
*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राज.संवाद/सी/25/13905

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in
आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें
https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

'जनजाति समुदाय ने जल, जंगल व जमीन के संतुलन से जीना सिखाया'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित किया

डूंगरपुर/जयपुर, 15 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति समुदाय ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति, साहस और सत्य के मार्ग को जीवंत रखा है। राजस्थान के हृदय में सबसे जीवंत और प्रखर धारा के रूप में हमारे आदिवासी भाई-बहन हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा है, लेकिन उससे भी अधिक गौरवपूर्ण है।

इन्होंने जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर विश्व को जीना सिखाया है। त्योहारों, गीतों और परम्पराओं से राजस्थान की पहचान को समृद्ध बनाया है।

- **भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों और छात्र-छात्राओं को 204 करोड़ रूपए की राशि डीबीटी के द्वारा ट्राँसफर की।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को डूंगरपुर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि जनजातियों के नृत्य में ताल ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों की कहानियां समाहित हैं। इसी प्रकार, त्योहारों में रंग ही नहीं, आदिवासी गौरव की चमक भी बसती है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही, उन्हें दुनिया के सामने गर्व से पेश करेगी। राज्य सरकार जनजाति कल्याण के लिए संकल्पित है।

शर्मा शनिवार को डूंगरपुर के भोगीलाल राजकीय महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा दिया। सामाजिक असमानता और अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों ने उनके अंतर्मन को विद्रोह से भर दिया।

केवल 15 वर्ष की आयु में उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और 25 वर्ष की आयु में 'उलगुलान आंदोलन' का नेतृत्व कर पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई।

शर्मा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के 53 हजार 766 लाभार्थियों को फार्म पौंड, डिग्गी, पाइपलाइन, तारबंदी, कृषि यंत्र, गोवर्धन उर्वरक योजना एवं खेती के विभिन्न कार्यों के लिए और कृषि की पढ़ाई कर रहीं छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 200 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी की। उन्होंने 12 हजार से अधिक जनजाति छात्र-छात्राओं को पोशाक एवं स्टेशनरी के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि भी हस्तान्तरित की।

पठानकोट का डॉक्टर दिल्ली हमले के आतंकियों से सम्पर्क में था

पठानकोट, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के तार पठानकोट से भी जुड़ गए हैं। जानकारी के अनुसार, पठानकोट के एक अस्पताल में एनआईए की टीम की ओर से बीती रात इस मामले में जुड़े एक मुस्लिम डॉक्टर को राउंड अप किया गया है।

सूत्रों से पता चला है कि उक्त डॉक्टर की बात दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले के आरोपियों के साथ होती थी। सूत्रों के अनुसार, एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह ढिल्लों तथा थाना प्रभारी मामून प्रीति ने, घटना की पुष्टि के लिए बार-बार फोन करने के बावजूद, फोन नहीं उठाया। गिरफ्तार किए गए डॉक्टर की पहचान रईस अहमद भट निवासी अनंतनाग जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। अहमद भट्ट 4 साल से व्हाइट मेडिकल कॉलेज पठानकोट में एसोसिएट प्रोफेसर सर्जरी डिपार्टमेंट का हेड था।

- **डॉ. रईस अहमद भट को पुलिस ने जांच के लिये राउण्ड अप किया।**

बिहार चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने बारह राज्यों में "सर" प्रक्रिया आरंभ कर दी आज से

इन बारह राज्यों में राजस्थान भी शामिल है तथा चुनाव आयोग 4 दिसम्बर से पहले यह प्रक्रिया पूरी करने का इरादा रखता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। बिहार चुनाव के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेनिसव रिवीजन- एसआईआर) के आधार पर पूरा हो जाने के बाद, चुनाव आयोग ने अब एसआईआर का दूसरा चरण शुरु कर दिया है। यह अभियान राजस्थान सहित, 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है और 4 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

एक महीने तक चलने वाली इस गणना प्रक्रिया में उन मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जो 27 अक्टूबर 2025 तक पात्र हैं। इस प्रक्रिया में मतदाताओं के लिए विशेष गणना फ़ॉर्म की छपाई और वितरण भी शामिल है।

राजस्थान में कुल 5,48,84,479 मतदाता हैं, जिनके लिए एसआईआर जारी किया जाएगा। राज्य में कुल 1,01,333 बीएलओ (बीएलओ) हैं, जबकि 5,46,56,215 गणना फ़ॉर्म छापे जा चुके हैं और 5,34,11,991 फ़ॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।

राजस्थान की तरह, जिन अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया 4 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगी, वे हैं: पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, मध्य प्रदेश, लक्षद्वीप, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह।

इस चरण में शामिल 12 राज्यों में कुल 50,99,72,687 मतदाताओं को कवर किया जाएगा, जबकि 48,67,37,064 मतदाताओं को उनके गणना फ़ॉर्म वितरित किए जाएंगे।

'विवाहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगे जारी नहीं रखा जाए। अदालत ने कहा कि ऐसा मुकदमा पिता-पुत्र के पवित्र रिश्ते पर कलंक है और समाज के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली बम ब्लास्ट में पुलिस को एक दर्जन डॉक्टरों की तलाश

डॉ. मुजम्मिल के मोबाइल के कॉल डिटेल रिकॉर्ड में डॉक्टरों के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ

नई दिल्ली, 15 नवंबर। दिल्ली में लाल किले के पास हाल ही में हुए बम धमाके के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ा सुराग मिला है। गिरफ्तार संदिग्ध डॉक्टरों के साथ-साथ डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड, यानी सीडीआर से एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसियों ने डॉक्टरों की एक लंबी लिस्ट तैयार की है। इसमें अल फलाह यूनिवर्सिटी से पढ़े और वहां काम करने वाले डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है। इनमें से कई डॉक्टरों के फोन उमर के बम धमाके के बाद से बंद हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां ट्रेस कर रही हैं। सूत्र बताते हैं कि करीब एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों की तलाश की जा रही है, जो जैश से जुड़े इन संदिग्धों के संपर्क में थे।

दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए ब्लास्ट की जांच अब हरियाणा के नूंह तक पहुंच गई है। नूंह के अब तक 5 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं, इनमें 2 डॉक्टर और एक एमबीबीएस स्टूडेंट है। तीनों का फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से नाता है। फिरोजपुर झिरका से डॉ. मोहम्मद, नूंह शहर से डॉक्टर रिहान और पुन्हाना के सुनहेड़ा गांव से डॉ. मुस्तकीम को अरेस्ट किया गया है।

- **अल फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन की गहन जांच चल रही है। यह देखा जा रहा है कि 78 एकड़ भूमि में से कितनी इस्तेमाल हो रही है और कितनी खाली है।**

इसी कड़ी में फरीदाबाद जिला प्रशासन ने अल फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन की गहन जांच के आदेश दिए हैं। धौज गांव में बनी यूनिवर्सिटी की जमीन करीब 78 एकड़ में फैली हुई है। अब प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि इस जमीन का कितना हिस्सा इस्तेमाल हो रहा है और कितना खाली पड़ा है। इसके लिए पटवारी यूनिवर्सिटी की जमीन की पैमाइश कर रहे हैं। जमीन की लंबाई, चौड़ाई और जिस जगह पर इमारतें बनी हैं, उसका पूरा हिसाब-किताब तैयार किया जा रहा है। सिर्फ जमीन की माप ही नहीं, बल्कि प्रशासन यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि ये जमीन किससे और किस कीमत पर खरीदी गई थी। यूनिवर्सिटी ने जमीन खरीदने में किन लोगों को पैसे दिए और कितने दिए, इसका भी पूरा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

किसी भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजद का सबसे अधिक वोट शेयर यह दिखाता है कि कई सीटों पर उसने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन जीत की रेखा पार नहीं कर सका। यानी राजद को मिले वोटों से उसका वोट शेयर तो बढ़ गया, लेकिन ये वोट सीटों में बदल नहीं पाए। दूसरे शब्दों में, राजद ने अपनी ताकत का अधिक आकलन कर लिया।

2010 के बाद से (जब उसने 22 सीटें जीती थीं) अपने सबसे खराब प्रदर्शन से जूझ रहे राजद के सामने सबसे बड़ी चुनौती है: लालू यादव द्वारा बनाए गए मुस्लिम-यादव (एम.वाय.) वोट बैंक में तीसरा सामाजिक समूह जोड़ना। लेकिन इस दिशा में काम करने के बजाय, यह पार्टी परिवार के भीतर उत्तराधिकार की लड़ाई में उलझा हुई है। तेजस्वी के बड़े भाई तेज प्रताप पहले ही बागी हो चुके हैं और बहन रोहिणी आचार्य अब राजनीति छोड़कर परिवार से दूर हो चुकी हैं। ऐसी अंदरूनी कलह पार्टी को और कमजोर कर सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में, लालू प्रसाद के पुराने सहयोगी या तो गुजर गए हैं या हाशिये पर चले गए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि राजद अपनी वैचारिक दिशा से भटक गई है और बिना पतवार के बह रही है।

लालू की पुत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आचार्य की यह पोस्ट पहले से ही उथल-पुथल झेल रहे परिवार और पार्टी में और अधिक हलचल पैदा कर देगी। राजद पहले ही लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकाल चुकी है।

तेज प्रताप ने नई पार्टी, "जनशक्ति जनता दल" बनाई थी, जिसने चुनाव अकेले लड़ा और राघोपुर विधानसभा सीट से तेजस्वी के खिलाफ भी उम्मीदवार उतारा। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, यहाँ तक कि महुआ सीट भी नहीं, जहाँ से तेज प्रताप ने चुनाव लड़ा था। आचार्य, जो कथित रूप से तेज प्रताप के निष्कासन से नाखुश थीं, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भी कई बार पार्टी के प्रति अपनी नाराज़गी जताती रही थीं, हालांकि कई बार उन्होंने मेल-मिलाप वाले संदेश भी पोस्ट किए।

सितंबर के आसपास, आचार्य ने सभी राजनीतिक नेताओं और अपने परिवारजनों को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया था। इसके बाद उन्होंने एक पोस्ट किया था कि उनके बारे में गलत बातें फैलाई जा रही हैं।

उन्होंने लिखा था: "मैं उन सभी को खुली चुनौती देती हूँ, जिनके मन में गलत विचार हैं और जो ऐसे लोगों को बढ़ावा देते हैं। अगर कोई यह साबित कर दे कि मैंने कभी भी अपने लिए या किसी और के लिए किसी से कोई अनुरोध किया है, या यह दावा झूठ है कि मैंने अपने सम्मानित पिता को किडनी दान की, तो मैं राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से सन्यास ले लूंगी।"

उन्होंने आगे कहा: "अगर आरोप लगाने वाले अपनी झूठी बातें और प्रचार साबित नहीं कर सकते, तो उनमें इतनी हिम्मत हो कि वे मुझसे और इस देश की हर मां, बहन और बेटी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और कसम खाएं कि वे आगे ऐसी गलत बातें नहीं फैलाएंगे।"

तथापि, 9 नवंबर को, मतदान के दो चरणों के बीच, आचार्य ने अपने भाई तेजस्वी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उनकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने पोस्ट में लिखा: "उम्र में युवा, पर दिल से सच्चे और अपने वचन के पक्के। "कर्मवीर", हमारे कर्तव्यनिष्ठ भाई तेजस्वी। आपके सभी सपने पूरे हों, बिहार के युवाओं और पूरे प्रदेश के सपनों को साकार करें, और आपका जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहे।"

उनकी हालिया अन्य पोस्ट भी पार्टी के समर्थन में थीं।

आरजेडी 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में सिर्फ 25 सीटें जीत सकी, जबकि पूरा महागठबंधन 35 सीटों पर सिमट गया। दूसरी ओर, एनडीए ने 202 सीटों पर शानदार जीत हासिल की।

चांदनी चौक मस्जिद से तब्लीगी जमात के सदस्यों को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला विस्फोट मामले में जाँच एजेंसियों ने चांदनी चौक स्थित फैज़ इलाही मस्जिद से तब्लीगी जमात के कई सदस्यों को हिरासत में लिया है।

कथित तौर पर यह मस्जिद वही है, जहाँ कथित आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ठहरा था।

सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध डॉ. उमर की मौजूदगी के कारण जमात के सदस्यों से पूछताछ की गई, हालांकि पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मस्जिद प्रबंधन समिति से आगंतुकों के लिए रखे गए रिकॉर्ड का विवरण देने को कहा गया।

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने मामले में एक नयी प्राथमिकी दर्ज की है, हालांकि मुख्य जाँच राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी गई है। विशेष प्रकोष्ठ ने यह प्राथमिकी साजिश के पहलू की जाँच शुरू करने के लिए दर्ज की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने हरियाणा के धौज और नूंह इलाकों और राष्ट्रीय राजधानी से सटे अन्य इलाकों में रात भर छापेमारी की, जिसमें एनआईए के अधिकारी भी शामिल थे। इस कार्रवाई के दौरान, फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के तीन डॉक्टरों को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया है।

पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि हिरासत में लिए गए डॉक्टरों में से दो के नाम मोहम्मद और मुस्तकीम हैं, जिन्हें नूंह इलाके से हिरासत में लिया गया था।

- **इसी मस्जिद में लाल किले का आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ठहरा था**
- **सूत्रों के अनुसार, जमात के सदस्यों से डॉ. उमर की मौजदगी के कारण पूछताछ की गई तथा पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मस्जिद प्रबंधन समिति से आंगतुकों का रिकॉर्ड देने के लिये कहा गया है।**

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि पुलिस ठगी की गई राशि की बरामदगी कर लेती है तो वह बैंक लेने के लिए अधिकृत है। उपभोक्ता राकेश तोतूका की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि 11 फरवरी, 2022 की शाम 6.39 बजे से 12 फरवरी, 2022 को 1.30 एएम के बीच 14 बार में याचिकाकर्ता के बैंक खाते से 58.93 लाख रुपए ठगी के जरिए निकले थे। बैंक ने 9 बार ओटीपी भेजने के आधार पर 15.60 लाख रुपए ही लौटाने की बात कही। इसे चुनौती देते हुए पीड़ित की ओर से कहा गया कि आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, बैंक को ठगी गई पूरी राशि पीड़ित को अदा करनी चाहिए।

भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुँचा है और यह गंभीर अनुशासनहीनता है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री को सात दिन का समय दिया गया है कि वे बताएं कि उन्हें पार्टी से निष्कासित क्यों न किया जाए।

पत्र में कहा गया: "श्री राज कुमार सिंह जी, पूर्व सांसद, आरा, आपकी गतिविधियाँ विरोधी पार्टी और अनुशासनहीन व्यवहार की श्रेणी में आती हैं। इससे संगठन को नुकसान पहुँचा है और पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है। इसलिए, निर्देशानुसार, आपको पार्टी से निलंबित किया जाता है और यह "कारण बताओ नोटिस" जारी किया जाता है कि आपको पार्टी से निष्कासित क्यों न कर दिया जाए।

आर.के. सिंह, जो पूर्व आईएएस अधिकारी और कभी बिहार में पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक थे, पिछले कई महीनों से भाजपा के राज्य नेतृत्व की खुलकर आलोचना कर रहे थे। उन्होंने बार-बार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को निशाना बनाया, जद (यू) नेता अनंत सिंह के प्रभाव पर सवाल उठाए और सरकार के बिजली क्षेत्र से जुड़े समझौतों पर भी चिंता जताई।

इस महीने की शुरुआत में, सिंह ने एक प्रस्तावित बिजली परियोजना से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार से सम्बंधित कई दस्तावेज ऑनलाइन साझा किए थे।

उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाया था कि वह चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू कराने में नाकाम रहा है। सिंह ने कहा था, चुनाव आयोग को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना चाहिए। यह चुनाव आयोग और जिला प्रशासन, दोनों की नाकामी है। चुनाव के समय यह बहुत चिंता की बात है और स्वीकार्य नहीं है।

आर.के. सिंह ने केन्द्र के गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, 2014 में भाजपा जॉइन की थी। इसके बाद उन्होंने आरा लोकसभा सीट से दो बार जीत हासिल की और ऊर्जा व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) के रूप में कार्य किया।

लेकिन 2024 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद, सिंह भाजपा की बिहार इकाई के प्रति और अधिक आलोचनात्मक होते गए और कई बार वरिष्ठ नेताओं से उनके टकराव की स्थिति बन गई।

अब पार्टी में उनका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वे अनुशासन समिति को क्या स्पष्टीकरण देते हैं।

अंदर ही अंदर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक की और एनडीए की भारी जीत के लिए वोट चोरी को जिम्मेदार ठहराया।

हार के बाद उन्होंने आज लालू यादव, तेजस्वी, सैनी और तमाम लोगों को फोन करके उन्हें समझाने की कोशिश की कि वोट चोरी ही वह मुद्दा है, जिसे दुनिया के सामने उठाना चाहिए।

लेकिन लगता है कि आत्मचिंतन, विश्लेषण, जिम्मेदारी तय करना या जवाबदेही, राहुल गांधी के शब्दकोष का हिस्सा नहीं हैं।

पार्टी के अंदर, पार्टी को चलाने के तरीके को लेकर नाराज़गी गहरी होती जा रही है। कैसे राहुल ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के सक्रिय व अनुभवी नेताओं को किनारे कर दिया और उनकी जगह झोला ढोने वाले पुरुषों, महिलाओं, पूर्व आई.ए.एस. अधिकारियों और कॉरपोरेट पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी चलाने की जिम्मेदारी दे दी। इनमें से ज़्यादातर प्रयोग नाकाम रहे और पार्टी लगातार केन्द्र और राज्यों, दोनों जगह चुनाव हारती गई।

हार-जीत राजनीति का हिस्सा हैं, लेकिन भाजपा के हाथों पूर्ण विनाश नहीं, जो इस बार बिहार में हुआ।

चुनाव से ठीक पहले राहुल की नई टीम ने ओ.बी.सी. (जिस पर राहुल सबसे अधिक जोर देते रहे हैं) से फोकस हटाकर ई.बी.सी. (इकोनॉमिकली बैकवर्ड क्लास) पर शिफ्ट कर दिया, जिससे पार्टी का संदेश कमजोर हो गया।

राहुल ने जातिगत राजनीति या अपने दृष्टिकोण को संतुलित या परिष्कृत करने से इनकार कर दिया और उच्च जातियों को लगभग पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर दिया गया।

टिकट अंतिम समय तक घोषित नहीं किए गए, और यह आरोप भी लगे कि टिकटों के लिए उचित जांच नहीं की गई और टिकट-वितरण में सौदेबाजी की गई। अल्लुवेरा ने राहुल को आश्वस्त कर दिया था कि तेजस्वी यादव के साथ कडा रुख अपनाया जाए और उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित न किया जाए। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि यदि राहुल इसी तरह चलते रहे तो कांग्रेस पार्टी मोदी-शाह की राजनीतिक मशीनरी का मुकाबला कभी नहीं कर पाएगी और कई अच्छे नेता पार्टी छोड़ने पर गंभीरता से विचार करेंगे।

आज भी, बिहार में हार के बाद भी, राहुल और उनकी टीम यह स्वीकार करने को तैयार नहीं कि वे चुनाव हार गए हैं। उनका कहना है कि भाजपा और चुनाव आयोग ने लोकतंत्र और जनता, दोनों को धोखा दिया है और उन्हें एकजुट होकर इससे लड़ना चाहिए।

अब पार्टी के भीतर यह सवाल उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी ने इन निरंतर हारों से कुछ भी सीखा है?

या फिर पार्टी को नेतृत्व बदलने पर विचार करना चाहिए और एक अनिच्छुक व अंशकालिक नेता को हटाना चाहिए, जिसके राजनीतिक "प्रयोगों" ने कांग्रेस को विनाश के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

कश्मीर के नौगाम थाने में विस्फोट में 9 मरे, 32 घायल

फरीदाबाद में बरामद विस्फोटक की फोरेंसिक जांच के लिये नमूना लेते समय आकस्मिक विस्फोट हुआ

श्रीनगर, 15 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने शनिवार को कहा कि नौगाम थाने में विस्फोट एक आकस्मिक घटना है, जिसमें नौ लोग मारे गए और 32 घायल हुए हैं। उन्होंने इस घटना में किसी भी आतंकी पहलू से इनकार किया है।

प्रभात ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नौगाम थाना में दर्ज एक प्राथमिकी की जांच के दौरान, नौ और 10 नवंबर को हरियाणा के फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ, रसायन और अभिकर्मक भी बरामद किए गए थे।

डीजीपी ने कहा, "इन्हें अन्य बरामद सामग्रियों की तरह, नौगाम थाने के खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से ले जाया गया और रख दिया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत, बरामदगी के नमूनों को फोरेंसिक और रासायनिक जांच के लिए भेजा जाना था।"

उन्होंने कहा कि बरामदगी की विशाल प्रकृति के कारण यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों, यानी कल और परसों फोरेंसिक टीम द्वारा चलायी जा रही थी। उन्होंने कहा, बरामदगी और नमूना लेने की प्रक्रिया की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण एफएसएल टीम द्वारा अत्यंत सावधानी के साथ काम किया जा रहा था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इस दौरान कल रात लगभग 11.20 बजे एक आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।

उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की जान चली गई है। मारे गए लोगों में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) का एक कर्मी, एफएसएल के तीन कर्मी, जम्मू-कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा के दो फ़ोटोग्राफ़र, मजिस्ट्रेट की टीम में शामिल दो राजस्व अधिकारी और टीम से जुड़ा एक दर्जी शामिल हैं।

प्रभात ने कहा, "इसके अलावा 27 पुलिसकर्मी, दो राजस्व अधिकारी और आस-पास के इलाकों के तीन नागरिक घायल हुए हैं।" उन्होंने कहा कि घायलों को तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

डीजीपी ने कहा, थाने की इमारत को बहुत नुकसान पहुंचा है। साथ ही आस-पास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। इस नुकसान की सीमा का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

- **जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने कहा कि अत्यंत सावधानी के साथ काम करते समय दुर्भाग्यवश आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।**

डॉ. शाहीन व डॉ. मुजम्मिल देश छोड़कर भागाने की फिराक में थे

फरीदाबाद, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली अल फलाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत डॉ. शाहीन और डॉ मुजम्मिल की योजना देश छोड़कर भागने की थी। जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे सिद्ध हो रहा है कि डॉ. शाहीन ने भारत छोड़ अरब जाने की तैयारी पूरी कर ली थी।

इस संबंध में जानकारी मिली है कि धौज थाना क्षेत्र में पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए आवेदन आया था। हालांकि, वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के पहले ही आतंकी डॉ. मुजम्मिल और डॉ. शाहीन पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

बता दें कि जैश की महिला विंग की प्रमुख के रूप में सामने आई और अब गिरफ्तार हो चुकी सफेदपोश आतंकी डॉ. शाहीन खाड़ी देश भागने की फिराक में थी। मगर पासपोर्ट वैरिफिकेशन की प्रक्रिया में कुछ देरी हो गई। इस दौरान डॉ. मुजम्मिल व डॉ. शाहीन की गिरफ्तारी हो गई और प्लान धरा का धरा रह गया।

- **दिल्ली के आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली शाहीन के पासपोर्ट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया।**

पुलिस सूत्रों के अनुसार अक्टूबर माह में अल फलाह यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. शाहीन सईद ने पासपोर्ट बनवाने के लिए आवदेन किया था। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होनी थी। अल फलाह यूनिवर्सिटी धौज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आती है। डॉ. शाहीन ने आवेदन में पता यूनिवर्सिटी का ही दिया था। इसलिए धौज थाना पुलिस यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के टावर संख्या 15 के फ्लैट नंबर 32 में पहुंची थी।

डॉ. आदिल का भाई विस्फोटक उपकरण के लिये कच्चा माल इकट्ठा करता था

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी के लाल किला विस्फोट मामले की जांच में डा. आदिल अहमद के भाई मुजफ्फर का नाम भी सामने आया है, जो दुबई से विस्फोटक उपकरण के लिए कच्चा माल इकट्ठा करने में सक्रिय था।

- **सुरक्षा एजेंसी के अनुसार मुज़फ्फर पांच साल से सक्रिय था तथा दुबई से काम करता था।**

घटना की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसी के सूत्रों ने कहा, "वह पांच साल से सक्रिय था। हमारी जांच से पता चला है कि मुजफ्फर दुबई से काम कर रहा था।" मुजफ्फर पर विस्फोटक उपकरण के लिए कच्चा माल इकट्ठा करने का आरोप है।

सूत्र ने कहा,"वह (मुजफ्फर) आतंकवादियों के लिए सेतु का काम कर रहा था। पाकिस्तान में आतंकवादियों से संपर्क कर रहा था और भारत में अपने गुर्गों को निर्देश दे रहा था।"डा. शाहीन विदेश यात्रा करना चाहती थीं। सूत्रों ने बताया कि डा. शाहीन विदेश यात्रा की योजना बना रही थीं। वह गिरफ्तार डॉक्टरों में से एक है। वह जैश-ए-मोहम्मद के आकाओं के सीधे संपर्क में थी। डा. शाहीन कथित तौर पर युवा डॉक्टरों को कट्टरपंथी बना रही थी। जांच अधिकारी ने कहा, वह धर्मांतरण का रैकेट भी चला रही थी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908